RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः347, सोमवार, 2 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नवाचारी शिक्षकों के सम्मान से गूंजा मोतिहारी, डायट छतौनी में 115 शिक्षक हुए सम्मानित 03

डीलर फेयर प्राइस एसोसिएशन के चुनाव में मिथिलेश पासवान और अमित कुमार विजयी 04

सैनिक की पत्नी का रोल करना एक अलग अनुभव चित्रांगदा 07

बजट 2026

'विकसित भारत' पर जोर

- बाजार को झटका, किसान, युवा व महिलाओं को भरोसा
- रिफॉर्म्स का वादा और टैक्सपेयर्स रह गया खाली हाथ
- बजट 2026 में इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव नहीं
- ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बजट 15 फीसदी बढ़ा

17 कैंसर मेडिसिन ड्यूटी फ्री, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बजट पेश कर दिया है। वे 85 मिनट बोलीं, लेकिन आम आदमी के लिए कोई बड़ा ऐलान नहीं किया। हालांकि टैक्स फाइल करने में सहूलियत, रेलवे प्रोजेक्ट और आयुर्वेदिक एम्स जैसी नई बातें कही हैं। बजट भाषण में कोई सीधा चुनावी ऐलान भी नहीं था। वे लोकसभा में तमिलनाडु की प्रसिद्ध कांजीवरम साड़ी पहनकर पहुंचीं जरूर, लेकिन इसी साल होने वाले पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी चुनाव पर सीधा असर डालने वाली घोषणाएं नहीं कीं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे।

बजट की बड़ी घोषणाएं

- इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं। रिवाइज्ड रिटर्न फाइल करने के लिए 3 महीने का ज्यादा समय दिया। यानी अब 31 दिसंबर के बदले 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल कर सकते हैं।
- कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया। अभी 5 फीसदी शुल्क लगता था। हीमोफीलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री।
- डिफेंस बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़, यानी 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी। हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च होंगे, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी।
- 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा। इनमें मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलिगुड़ी। 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब भी बनेंगे। 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।
- 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी। करीब 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनेंगे। हर जिले में एक हॉस्टल बनाया जाएगा। जहां विशेष व्यवस्था रहेगी।

बजट में नारी शक्ति व युवा सोच का प्रतिबिंब

पीएम मोदी बोले बजट ऐतिहासिक है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजट 2026 की घोषणा के बाद देश को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार 9वीं बार देश का बजट प्रस्तुत करके नया रिकॉर्ड बनाया है। पीएम मोदी ने कहा, ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये युवा शक्ति का बजट है। इसमें युवा सोच है, युवा के सपने हैं। इस बजट से युवाओं के लिए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा, इस बजट से आत्मनिर्भर भारत को उड़ान मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा, इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। देशभर में वाटर वेज का विस्तार किया जाएगा।

'युवाओं के पास नौकरी नहीं, संकट में किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने युवाओं, किसानों, निवेशकों का जिक्र करते हुए दावा किया कि ये बजट भारत के असली संकटों से अनजान है। राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है।

कैंसर की दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटेगी, इलाज काफी सस्ता होगा

कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 17 दवाओं पर बेसिक कस्टम ड्यूटी हटा दी गई है। ये एडवांस कैंसर की इंपोर्ट होने वाली दवाएं हैं। अभी

5त्न कस्टम ड्यूटी लगती थी। हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां भी ड्यूटी फ्री कर दी गई हैं।

रक्षा बजट 15 फीसदी बढ़ा, फोर्सेस के आधुनिकीकरण पर 22 फीसदी ज्यादा खर्च होगा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहले बजट में सीतारमण ने जियो-पॉलिटिक्स और चुनौतियों की बात कही और देश का रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.85 लाख करोड़ कर दिया। यानी कुल डिफेंस बजट में 15.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। डिफेंस बजट की खास बात यह है कि इसमें हथियार खरीदी और आधुनिकीकरण पर पिछले साल के 1.80 लाख करोड़ के मुकाबले इस साल 2.19 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। यह पूंजीगत खर्च में सीधी 22 फीसदी की बढ़ोतरी है। विमान और एयरो इंजन डेवलपमेंट के लिए 64 हजार करोड़ और नौसेना बेड़े के लिए 25 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। पेंशन के लिए 1.71 लाख करोड़ अलग रखे गए हैं। भारत को ग्लोबल बायो फार्मा मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की तैयारी 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाने का ऐलान किया गया है। आयुर्वेदिक दवाइयों की टेस्टिंग के नेशनल लैब्स बनाई जाएंगी।

रेल और जलमार्ग और ग्रीन ट्रांसपोर्ट सेक्टर का ऐलान

7 नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे शहरों के बीच 7 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। ये मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बेंगलुरु, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी के बीच बनेंगे। अगले 5 साल में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनेंगे। बनारस और पटना में जहाज मरम्मत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बैटरी बनाने की मशीनों पर टैक्स छूट बढ़ी सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी बनाने वाली मशीनों पर टैक्स छूट का दायरा बढ़ा दिया है। अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाले सामान पर भी ड्यूटी नहीं लगेगी। इससे इलेक्ट्रिक व्हीकल सस्ते होंगे। वहीं, सोलर ग्लास बनाने में इस्तेमाल होने वाले 'सोडियम एंटीमोनेट' पर भी ड्यूटी हटा दी गई है, जिससे देश में सोलर पैनल बनाना सस्ता होगा।

बजट के बाद हाहाकार, औंधे मुंह गिर गया शेयर बाजार

- बीएसई सेंसेक्स 1546 अंक गिरकर 80,722 पर बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट के बाद आज यानी 1 फरवरी (रविवार) को शेयर बाजार गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 1546

अंक यानी करीब 2 फीसदी गिरकर 80,722 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 495 अंक टूटा, ये 24,825 के स्तर पर बंद हुआ। सरकार ने फ्यूचर्स पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) को 0.02 से बढ़ाकर 0.05 फीसदी किया। ऑप्शंस प्रीमियम और एक्सरसाइज पर भी एसटीटी को बढ़ाकर 0.15 फीसदी किया। इस वजह से बाजार में यह गिरावट आई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के बाद सेंसेक्स 1,800 अंक और 550 अंक तक गिर गया था। वहीं सुबह 9.15 बजे सेंसेक्स 100 अंक की गिरावट के साथ 82,156 के स्तर पर खुला था। निफ्टी भी करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 25,275 के स्तर पर ओपन हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट और सिर्फ 3 में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 6 फीसदी तक की गिरावट रही।

पर्यटन-20 टूरिस्ट प्लेस पर 10 हजार गाइड्स ट्रेंड किए जाएंगे

20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 10,हजार गाइड्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए पायलट योजना शुरू की जाएगी। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पर्यावरणीय रूप से ऐसे रास्ते बनाए जाएंगे जो ट्रेकिंग और हाइकिंग के लिए आसान हों। 2026-27 में विदेश पैसा भेजने पर लगने वाले टैक्स कलेक्टेड एड सोर्स को कम करने का ऐलान किया है। अब विदेश में पढ़ाई सस्ती होगी।

मोदी सरकार के बजट 2026 में महिलाओं को मिली खास सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2026-27 का बजट पेश किया। हर बार की तरह इस बार भी वित्त मंत्री के पिटारे में महिलाओं के लिए कुछ खास सौगात देखने को मिली। केंद्र

सरकार ने लखपति दीदी योजना को जारी रखने की भी घोषणा की है। इस योजना के तहत महिलाओं से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज रहित लोन दिया जाता है, जिससे वो आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। इस लोन पर महिलाओं को सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। केंद्र सरकार की लखपति दीदी योजना की सफलता के बाद वित्त मंत्री ने 'शी मार्ट्स' की घोषणा की है। ये मार्ट्स स्वयं सहायता उद्यमियों की ओर से संचालित किया जाएगा और रीटेल आउटलेट के रूप में ऑपरेट करेगा। केंद्र सरकार की इस नई स्कीम का उद्देश्य महिला उद्यमियों की पहुंच बड़ी बाजार तक सुनिश्चित करना है। इसके तहत महिलाएं न सिर्फ अपना खुद का ब्रांड बना सकेंगी, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। इससे स्थानीय स्वयं सहायता समूह भी मजबूत होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने छात्राओं को भी बजट में शानदार सौगात दी है। उन्होंने हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने की घोषणा की है। देश के लगभग 700 से ज्यादा जिलों में छात्राओं के रहने के लिए गर्ल्स हॉस्टल की नींव रखी जाएगी। इसके अलावा भी वित्त मंत्री ने महिलाओं और युवतियों के लिए कई सारी सुविधाओं का ऐलान किया है।

मणिपुर में उग्रवादी रंगदारी मांग रहे, डर से बाजार बंद

व्यापार संगठन ने 5 किमी लंबी रैली निकाली, सैकड़ों लोगों ने राज्य छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादी संगठन हर सेक्टर के कारोबारियों को फोन कर रंगदारी मांग रहे हैं। व्यापारी कहते हैं कि शिकायत नहीं कर सकते, क्योंकि उनके पास हमारा लेखा-जोखा हैं। उनके डर बाजार बंद होने लगे हैं। इसके विरोध में शनिवार को इंफाल में हजारों लोगों ने 5 किमी लंबी रैली निकाली। यह रैली सेव मणिपुर अभियान के तहत कोकोमी नामक संगठन ने आयोजित की थी। कर्ज में डूबे मारवाड़ी, पंजाबी कारोबारी भी राज्य छोड़ रहे हैं। इस बाजार से जुड़े मारवाड़ी समुदाय के 500 परिवार में से 40-50 परिवार, पंजाबी समुदाय के 100 परिवार में से 20-25 परिवार बिजनेस ठप होने से पलायन कर चुके हैं। राज्य के प्रमुख व्यापारिक केंद्र थांगल और पाउना बाजार में 60-65 फीसदी ही व्यापार हो रहा है। मणिपुर एफएमसीजी एसोसिएशन के प्रेसीडेंट विजय पाटनी कहते है, चुराचांदपुर, कांग्पोक्पी और चंदेल जिलों तथा आसपास के इलाकों में 30-37 फीसदी कारोबार होता था, जो अब बंद है। उन्होंने बताया कि थांगल-पाउना बाजार में मारवाड़ी, जैन, पंजाबी, बिहारी, बंगाली सहित कई समुदाय के लोग बिजनेस करते थे। मणिपुर में कोई फैक्ट्री या मैन्युफैक्चरिंग यूनिट नहीं है।

इंडो-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाईः 25 लाख नेपाली व 18,500 रुपये भारतीय जाली करेंसी बरामद, 3 नेपाली सहित 10 गिरफ्तार

मोतिहारी/रक्सौल। इंडो-नेपाल सीमा पर सक्रिय अंतरराष्ट्रीय जाली नोट तस्करों के खिलाफ रक्सौल पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस अभियान में पुलिस ने न केवल जाली नोटों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया, बल्कि सीमावर्ती सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज में संचालित नकली नोटों की एक अत्याधुनिक फैक्ट्री को भी ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई में तीन नेपाली नागरिकों सहित कुल 10 कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कुल 25 लाख रुपये की नेपाली जाली करेंसी, 18,500 रुपये की भारतीय जाली करेंसी, 1 लाख 40 हजार रुपये की नेपाली असली करेंसी, नोट छापने में प्रयुक्त केमिकल व सामग्री, 22 बंडल सादा पेपर, तीन बाइक और एक चारपहिया वाहन बरामद किया है। हरैया थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल से जाली नोटों की एक

बड़ी खेप बिहार लाई जा रही है। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनंद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि टीम ने बौधि माई मंदिर के पास जाल बिछाकर बाइक सवार दो नेपाली नागरिक—तिलक बहादुर थापा (पिता-पडकपोखरी, थाना हथौड़ा, जिला मकवानपुर, नेपाल) और सरोज कुमार (ग्राम सिमरा, थाना जीतपुर, जिला बारा, नेपाल)—को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 18,500 रुपये की भारतीय जाली करेंसी बरामद हुई। गिरफ्तार तस्करों की निशानदेही पर मोतिहारी एवं सीतामढ़ी पुलिस की संयुक्त टीम ने सीतामढ़ी जिले के मेजरगंज इलाके में छापेमारी कर लगभग 25 लाख रुपये की नेपाली जाली करेंसी तथा 1 लाख 40 हजार रुपये की नेपाली असली करेंसी बरामद की। इसके साथ ही जाली नोट छापने की सामग्री, केमिकल, 22 बंडल सादा पेपर, तीन बाइक और एक चारपहिया वाहन जब्त किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक सह सुगौली अंचल निरीक्षक संजीव मौआर, हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान, पुलिस अवर निरीक्षक कुमारी बिंदु, जिला आसूचना इकाई की टीम, एसएसबी, एसटीएफ के अधिकारी एवं जवान, तथा सिपाही मिथुन कुमार, सोनू कुमार, पिंटू कुमार निषाद सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा शुभमन-उन्मुक्त का रिकॉर्ड, यूथ वनडे में चौके के साथ चौथे टॉप स्कोरर बने

पटना। अंडर-19 वर्ल्ड कप में आज भारत और पाकिस्तान के बीच जिम्बाब्वे के बुलावायो में क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में 14 वर्षीय बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने ओपनिंग के दौरान बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 के 23वें मैच में 1169 रन पूरे कर लिए हैं और इसी के साथ उन्होंने शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद के नाम यूथ वनडे में 1149 रन दर्ज थे। इस उपलब्धि के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर्स की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 22 बॉल में 30 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत की जीत जरूरी है। 17 जनवरी 2026 को वैभव सूर्यवंशी ने 14 साल और 296 दिन की उम्र में पुरुष अंडर-19 वर्ल्ड कप में अर्धशतक जड़ा। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 72 रन की पारी खेली और यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। जनवरी 2026 की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वैभव ने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने ऋषभ पंत का 18 गेंदों में फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 2025 में वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 14 साल और 23 दिन की उम्र में IPL डेब्यू कर इतिहास रच दिया। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ उन्होंने 35 गेंदों में शतक जड़ा, जिसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

ऊर्जा संकट- पर्यावरण संरक्षण से निपटने को तकनीक जरूरी, वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

हाजीपुर। वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में विद्युत अभियंत्रण विभाग द्वारा आयोजित साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला 'इंटरनेट ऑफ एनर्जी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण' आज संपन्न हो गई। बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सौजन्य से 27 जनवरी से शुरू हुई इस कार्यशाला में देश भर से 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में 225 ऑफलाइन प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए गए, जबकि लगभग 300 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे। समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार और कार्यशाला संयोजक प्रो. रजनी कुमारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ऊर्जा संकट, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की चुनौतियों से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा और इंटरनेट ऑफ एनर्जी जैसी उन्नत तकनीकों का समन्वय आवश्यक है। उन्होंने इस आयोजन को वैशाली और पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय बताया, जो छात्रों को उद्योग और शोध से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला संयोजक प्रो. रजनी कुमारी ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा प्रबंधन और भविष्य की ऊर्जा प्रणालियों की नवीनतम शोध प्रवृत्तियों तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराना था। देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने विशेष व्याख्यानों और तकनीकी सत्रों के माध्यम से अपना ज्ञान साझा किया। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने इस राष्ट्रीय आयोजन की सफलता का श्रेय प्राचार्य के कुशल निर्देशन और विभाग के फैकल्टी सदस्यों की मेहनत को दिया। समापन सत्र में वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल तकनीकों का समन्वय भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजक टीम और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की गई, और सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस कार्यशाला को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अभियंत्रण महाविद्यालय वैशाली की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

बाइक सवार की मौत, दोस्त के साथ मेले से लौट रहा था, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, तीन भाइयों में सबसे छोटा

हाजीपुर। वैशाली जिले के चेहराकाला प्रखंड में एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक राजेश कुमार की मौत हो गई। वह अपने दोस्त के साथ मेले से लौट रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में राजेश के दोस्त विक्रम कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। परिजनों ने बताया कि राजेश कुमार अपने दोस्त विक्रम कुमार के साथ गांव में लगे मेले को देखने गए थे। घर लौटते समय रास्ते में एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चालक राजेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक राजेश कुमार वार्ड संख्या 4 के सहेंद्र राय के पुत्र थे। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। राजेश पढ़ाई के साथ-साथ कोचिंग भी पढ़ाते थे और शादी समारोहों में कैमरा चलाने का काम भी करते थे। इस दुखद खबर से परिवार और इलाके में शोक का माहौल है। हादसे में गंभीर रूप से घायल विक्रम कुमार का बायां हाथ दो जगह से फ्रैक्चर हो गया है। उन्हें तुरंत मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन के चालक की तलाश जारी है और दुर्घटना की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया और सरपंच ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

जज के ड्राइवर ने नशे में पत्नी को मारी गोली, हाजीपुर में शराब छोड़ने को लेकर होता था विवाद

हाजीपुर। वैशाली में जज के ड्राइवर अर्जुन कुमार ने पत्नी गुड़िया देवी(29) की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पति अक्सर शराब के नशे में घर आता था। इसी का विरोध करने पर गुरुवार को आरोपी ने गुड़िया को गोली मार दी। यह घटना 29 जनवरी की रात करीब 11:15 बजे हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के चौहट्टा चौक के पास हुई। आरोपी ने घटना की जानकारी खुद पुलिस को फोन कर दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपी ने बताया, पड़ोसियों से अक्सर पानी गिराने को लेकर विवाद होता था। इसी विवाद में पड़ोसियों ने मेरी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुरुआत में अर्जुन पासवान के आरोपों के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लिया था। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस टीम को घर के अंदर ही गोली चलने के अहम सुराग मिले, जिससे पति पर शक गहरा गया। गहन पड़ताल के बाद पुलिस ने खुलासा किया कि पत्नी का हत्यारा कोई और नहीं, बल्कि उसका पति अर्जुन कुमार ही था। पुलिस ने यह भी बताया कि अर्जुन कुमार आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। पत्नी गुड़िया देवी की हत्या मामले में आरोपी पति अर्जुन पासवान को गिरफ्तार किया गया है। अर्जुन पासवान नशे का आदि था वे हमेशा नशा करके ही आया करता था और इसी को लेकर घर में विवाद हुआ करता था। जिस दिन महिला की हत्या हुई थी उस दिन अर्जुन पासवान नशे में था। वो विरोध की थी तो इसी आवेश में आकर अर्जुन पासवान ने पत्नी गुड़िया देवी की सर में गोली मारकर हत्या कर दिया था। और उसके द्वारा यह बताया गया था कि पड़ोसी से विवाद के कारण पत्नी की हत्या हुई है, आरोपी पति अर्जुन पासवान द्वारा बार बार बयान बदला जा रहा था जिससे पुलिस को शक हुआ था। जिसके बाद घर कि तलाशी ली गई। और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या का राज पुलिस को बताया। घटना में इस्तेमाल किए गए देशी पिस्टल भी बरामद किया गया है। आरोपी पति अर्जुन पासवान को जेल भेजा जा रहा है। डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि अर्जुन पासवान पर पूर्व से चार अपराधिक मामले दर्ज है और अपराधी प्रवृत्ति के लोग हैं। आर्म्स एक्ट, चोरी और मादक पदार्थ तस्करी, का मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि अर्जुन पासवान पेशेवर अपराधी हैं।

नीट छात्रा दुष्कर्म-हत्या मामला: पप्पू यादव ने जारी किया नया वीडियो

बोले-हॉस्टल वार्डन नीतू मैडम को पकड़ने से सच्चाई सामने आएगी

एजेंसी, पटना

पटना में NEET छात्रा के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में सियासत और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव इस मामले को लेकर लगातार सक्रिय हैं। अब उन्होंने शम्भू गर्ल्स हॉस्टल से जुड़ा एक और चौंकाने वाला ऑडियो-वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया है, जिसने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। इस नए वीडियो में पप्पू यादव की बातचीत शम्भू गर्ल्स हॉस्टल में रह रही एक दूसरी नाबालिग छात्रा के पिता से हुई है। करीब चार मिनट के इस वीडियो में कई ऐसे खुलासे सामने आए हैं, जिनसे हॉस्टल प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खास तौर पर हॉस्टल की वार्डन नीतू का नाम चर्चा में आ गया है।

पप्पू यादव का सवाल- शम्भू गर्ल्स हॉस्टल की नीतू मैडम कौन हैं?: वीडियो साझा करते हुए सांसद पप्पू यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि, 'शम्भू गर्ल्स हॉस्टल की नीतू मैडम कौन है? जरा सुनिए उसी हॉस्टल में रहने वाली एक बच्ची के पिता द्वारा किया गया खुलासा। आखिर रात 10 बजे क्या पूछने आई थीं? जब हॉस्टल की लड़कियां खुद से कपड़े साफ करती हैं तो उस लड़की की चादर संचालक द्वारा धुलवाने का क्या राज है? पटना पुलिस की निकम्मी व्यवस्था का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है।'

छात्रा के पिता का आरोप- रात 10 बजे अचानक हॉस्टल पहुंचीं वार्डन: वीडियो में दूसरी छात्रा के पिता बताते हैं कि उनकी

16 वर्षीय बेटी शम्भू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि हॉस्टल की वार्डन नीतू ने 5 तारीख की रात करीब 10 बजे अचानक हॉस्टल में सभी लड़कियों को उठाकर उनकी "जांच" शुरू कर दी। छात्रा के पिता के अनुसार, नीतू मैडम बच्चों से पूछ रही थीं कि सब ठीक है या नहीं, तबीयत ठीक है या नहीं। मेरी बेटी ने उनसे सवाल किया कि मैडम आप तो रात में कभी आती नहीं हैं, आज क्यों आई हैं? मेरी बेटी ने यह बात मुझे दो दिन बाद बताई।

छात्रा के पिता-पहले कभी नहीं आईं, उसी रात क्यों पहुंचीं?: दूसरी लड़की के पिता ने कहा कि, 'उनकी बेटी पिछले एक साल से हॉस्टल में रह रही है, लेकिन इस दौरान वार्डन नीतू कभी भी रात में हॉस्टल जांच के लिए नहीं आई थीं। पहली बार उसी दिन रात 10 बजे आईं। नीतू मैडम उसी बिल्डिंग में भी नहीं रहती थीं। वह दूसरी बिल्डिंग में रहती थीं, जो करीब डेढ़ सौ मीटर दूर है। फिर रात के 10–10:15 बजे उस हॉस्टल में आने का क्या मतलब था?

पिता का शक-घटना पहले ही हो चुकी थी: दूसरी छात्रा के पिता ने आशंका जताई कि जिस नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना हुई, वह घटना रात में 10 बजे से पहले ही घट चुकी थी और हॉस्टल प्रशासन को इसकी जानकारी थी। इसी वजह से नीतू मैडम रात में हॉस्टल आकर सभी लड़कियों को चेक कर रही थीं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि नीतू मैडम को पकड़ने से ही सच्चाई सामने आएगी।

चादर धोने का मामला भी संदिग्ध

बातचीत के दौरान एक और अहम खुलासा सामने आया। पीड़िता की चादर हॉस्टल स्टाफ द्वारा धोए जाने का मुद्दा उठाते हुए पिता ने कहा कि, हॉस्टल में रहने वाली सभी लड़कियां अपनी चादर खुद धोती हैं, लेकिन यह पहली बार हुआ कि पीड़ित लड़की की चादर हॉस्टल स्टाफ ने धोई। यह कहीं न कहीं सबूत मिटाने की कोशिश हो सकती है।

पुलिस जांच पर भी उठे सवाल: पप्पू यादव ने इस पूरे मामले में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इतने गंभीर आरोप और गवाहों के बयान सामने आने के बावजूद अब तक वार्डन नीतू का नाम जांच के दायरे में क्यों नहीं आया, यह समझ से परे है।

गोपालगंज, बगहा में घना कोहरा, 12 जिलों में अलर्ट

एजेंसी, पटना

हाड़ों से आ रही ठंडी हवाओं के चलते से बिहार में एक बार फिर ठंड बढ़ गई है। गोपालगंज, बगहा में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। जबकि पटना के कई इलाकों में सुबह से ही धुंध देखी गई। मौसम विभाग ने राज्य के 12 जिलों में घने कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में सुबह और देर रात विजिबिलिटी बेहद कम रहने की संभावना है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो सकता है। विभाग के मुताबिक, घना कोहरा अगले दो से तीन दिनों तक बना रह सकता है। सुबह के समय विजिबिलिटी 50 से 200 मीटर तक हो सकती है। हालांकि दिन चढ़ने के साथ कुछ जिलों में कोहरा आंशिक रूप से छंट सकता है, लेकिन फिलहाल मौसम के पूरी तरह साफ होने की उम्मीद कम जताई जा रही है। घना कोहरा बनने के पीछे कई मौसमी कारण जिम्मेदार हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर भारत में इस समय ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाएं कमजोर पड़ गई हैं। इसके साथ ही वातावरण में नमी का स्तर काफी बढ़ गया है। जिससे रात के समय तापमान तेजी से गिर रहा है, जबकि दिन में धूप पूरी तरह नहीं निकल पा रही है। इस कारण जमीन के पास मौजूद नमी घना होकर कोहरे का रूप ले लेती है।

♦ रात के तापमान में होगी गिरावट, पछुआ हवाओं ने बढ़ाई ठंड

बिहार में सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत

एजेंसी, पटना

❐ पटना में 6, बक्सर में 4 और शेखपुर में 3 की गई जान, सड़क पर बिखरीं लाशें

बिहार में रविवार सुबह हुए 3 अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 13 लोगों की मौत हो गई। पटना के बिहटा में ऑटो और ट्रक की टक्कर में छह लोगों की जान चली गई, जबकि दो अन्य घायल हैं। जानकारी के मुताबिक, सभी लोग मनेर दरगाह में उर्स देखकर ऑटो से आरा लौट रहे थे। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं बक्सर–पटना फोरलेन पर एक तेज रफ्तार कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह चूर-चूर हो गई। इस दुर्घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे। मरने वालों में एक SSB जवान भी शामिल है, जिसकी बहन का तिलक चढ़ने वाला था।

मोकामा-सरमेरा हाइवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से जुगाड़ गाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पटना के घोसवरी थाना क्षेत्र के ईशानगर गांव के पास की है।

बिहटा में 50 मीटर में बिखरी लाशें: आरा के कुछ लोग मनेर दरगाह में उर्स देखकर अपने घर आरा लौट रहे थे। इसी दौरान रात 2 बजे के करीब लेखनटोला पुल के पास रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो सवार सड़क पर जा गिरे और करीब 50 मीटर तक शव बिखर गए। ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, उसके नीचे और सड़क पर पूरा खून फैला हुआ है। हादसे के बाद मौके पर ऑटो सवार के कपड़े, चप्पल और दूसरे सामान सड़क पर बिखरे नजर आए। मृतकों में दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

आरा के रहने वाले थे सभी: घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर बिहटा थाना भेज दिया है। हादसा लेखनटोला पुल के पास हुआ है। मृतकों की पहचान मो. गुड्डु (33), मो. इम्तियाज (30), मो. सहजाद (22), सफान (3), अल्फी (2) के रूप में हुई है। सभी मृतक आरा के थाना मुस्सेफिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर चित्रलेनपुर के रहने वाले थे। जबकि घायलों में आरा के ही नाजमी प्रवीण (22), मो. सलाऊदीन शामिल हैं।

ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार: बिहटा SHO अमित कुमार ने बताया, 'रात करीब 2 बजे एक ऑटो पर सवार 5 लोग मनेर से उर्स देखकर भोजपुर लौट रहे थे। इसी दौरान लेखनटोला के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 3 घायलों का PMCH में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान घायलों में से एक की भी मौत हो गई है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और ट्रक ड्राइवर को गिरफार कर लिया गया है।

पटना में जहाज मरम्मत यूनिट लगेगी, हाईस्पीड रेल कॉरिडोर से बिहार को होगा फायदा

रोहिणी का तंज-पुराने सामान को नए डब्बे में परोसा गया

एजेंसी, पटना

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया। बजट में इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, कैंसर समेत 7 गंभीर बीमारियों की दवाइयों को सस्ता करने का ऐलान किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि अगले 5 साल में 20 नए नेशनल वाटरवेज विकसित किए जाएंगे। इनमें से एक ओडिशा में नेशनल वाटर-वे बनाया जाएगा, जिससे खनिज संपन्न तालचेर और अंगूल को कनेक्ट किया जाएगा और कलिंगनगर को पारादीप पोर्ट से जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही देश में शिप रिपेयर इकोसिस्टम विकसित किया जाएगा। इसके लिए वाराणसी और पटना में विशेष शिप रिपेयर सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

बजट में वाराणसी–सिलीगुड़ी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की भी घोषणा की गई है। इस कॉरिडोर से बक्सर, आरा, पटना, कटिहार और किशनगंज को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं, बिहार के 5 लाख से अधिक आबादी वाले 8 शहरों को विकास के लिए अतिरिक्त फंड दिया जाएगा। इससे पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा, बेगूसराय, नालंदा, पूर्णिया और गया को फायदा होगा। सरकार के इस बजट पर रोहिणी आचार्य ने तंज कसा। उन्होंने X पर लिखा, "ये बजट पुराने सामान को नए डिब्बे में नए लेबल के साथ परोसने जैसा है।"

पटना को डेवलप करके इंटरनल वाटरवेज को डेवलप किया जाएगा: पटना में इंटरनल वाटरवेज बनने से गंगा के अलावा गंडक, कोसी, घाघरा, सोन और पुनपुन नदी में जलमार्ग को विकसित करने में मदद मिलेगी। बिहार में 7 अधिसूचित जलमार्ग हैं। इनकी लंबाई 1887 किलोमीटर है। इनमें मुख्य जलमार्ग यानी गंगा नदी पर बने राष्ट्रीय जलमार्ग-एक, की लंबाई 480 किमी है। गंगा जलमार्ग को विकसित करने का काम 827 करोड़ रुपए की लागत से पूरा कर लिया गया है। बिहार में अलग-अलग नदियों पर 1550 घाट बने हुए हैं, जिनसे होकर 7 हजार से अधिक नाव चल रही हैं।

तेजप्रताप बोले- लालू का राज खत्म, पीएम की तारीफ की, अखिलेश को बताया टोंटी चोर

एजेंसी, पटना

जनशक्ति जनता दल के नेता और लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव एक पॉडकास्ट में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव, भोजपुरी सिंगर पवन सिंह, खेसारी लाल समेत राजनीतिक, मनोरंजन जगत और विपक्षी नेताओं पर खुलकर अपनी बात रखी। तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 10 में 10 नंबर दिए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के काम की जमकर तारीफ की। वहीं जब उनसे पूछा गया कि आप लालू यादव के बेटे हैं, तो इस पर उन्होंने कहा, "अब कहां, अब राजा का राजगद्दी चला गया।"

तेज प्रताप यादव से जब यह सवाल किया गया कि अगर उन्हें आरजेडी की ओर से चुनाव चिन्ह मिलता तो क्या वे चुनाव लड़ते, इस पर उन्होंने कहा, "आरजेडी से लड़ता तो भी मैं खुद को हरवा देता।" इसके अलावा उन्होंने भोजपुरी सिंगर और अभिनेता पवन सिंह और खेसारी लाल पर तंज भी कसा। साथ ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। साथ ही उन्हें टोंटी चोर बता दिया।

नई-नई भौजाई का हाथ पकड़कर जन्मदिन मना रहे पवन सिंह: पॉडकास्ट के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अगर आपको किसी फिल्म का ऑफर मिला तो क्या आप अभिनय करेंगे। इस पर तेज प्रताप ने साफ इनकार करते हुए कहा, 'मुझे फिल्मों में जाने का कोई शौक नहीं है।' तेज प्रताप यादव ने यह भी दावा किया कि उन्हें सलमान खान ने बिग बॉस में शामिल होने के लिए कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने यह ऑफर ठुकरा दिया। तेज प्रताप यादव ने कहा- "मुझे रिएलिटी शो बिग बॉस में आने के लिए खुद सलमान खान ने बुलाया था, लेकिन उस समय चुनाव चल रहा था, इसलिए नहीं गए। चुनाव के बीच में शो में जाना मेरे लिए संभव नहीं था।" पॉडकास्ट के दौरान जब उनसे पूछा गया कि भोजपुरी सिंगर और अभिनेता पवन सिंह तो गए थे। इसपर तेजप्रताप ने कहा- "पवन सिंह जैसे लोग "नचनिया-बजजनिया" हैं, वो कलाकार हैं, जाएंगे ही न।"

♦ पवन सिंह पर तंज- नई-नई भौजाई संग बर्थडे मना रहे

प्राइवेट हॉस्टल्स को लेकर सरकार से हाईकोर्ट का सवाल, बिहार में संचालन के लिए कानून है या नहीं?

एजेंसी, पटना

बिहार में प्राइवेट गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल को लेकर कोई कानून है या नहीं? यह सवाल पटना हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है। इस सवाल पर सरकार से जवाब मांगा गया है। इस मुद्दे पर 20 फरवरी को अगली सुनवाई होगी। उससे पहले हाईकोर्ट ने इस मामले में एफिडेविट कर जवाब देने को कहा है।

प्राइवेट हॉस्टल्स को लेकर कानून बनाने की मांग: दरअसल, नीट की छात्रा से रेप और मौत का मामला सामने आने के बाद शेखपुरा जिले के करंडे गांव के रहने वाले एडवोकेट माधव राज ने 19 जनवरी को पटना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका CWJC-1142/2026 दायर की थी। इस याचिका के तहत एडवोकेट ने प्राइवेट हॉस्टल्स में रहने वाले लड़के-लड़कियों की सेफ्टी, सिक्योरिटी और उनके खाने-पीने की व्यवस्था को लेकर कानून बनाने की मांग की है। क्योंकि, एडवोकेट के अनुसार बिहार में प्राइवेट हॉस्टल्स को रेगूलेट करने के लिए कोई कानून अब तक बना ही नहीं है। शनिवार को इसी याचिका पर हाईकोर्ट में पहली सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू और जस्टिस विवेक चौधरी की बेंच ने जनहित याचिका दायर करने वाले एडवोकेट की दलीलों को सुना। बगैर लाइसेंस के चलाए जा रहे हैं हॉस्टल्स एडवोकेट ने बताया कि बिहार में चल रहे प्राइवेट गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल्स को प्रॉपर तरीके से चलाने को लेकर को कोई कानून नहीं है। इसकी मॉनिटरिंग की कोई सरकारी व्यवस्था नहीं है। बगैर किसी लाइसेंस के मनमाने तरीके से हॉस्टल्स चलाए जा रहे हैं।

'अनुमान के आधार पर आरोप ठीक नहीं'

एजेंसी, पटना

जनशक्ति जनता दल के चीफ तेज प्रताप यादव ने सरकारी बंगला खाली किया है। उसके बाद के विवाद पर बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने तेज प्रताप यादव का बचाव किया है। कहा कि लखेंद्र पासवान किस आधार पर बयान दे रहे हैं, यह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले पर टिप्पणी करने का अधिकार भवन निर्माण विभाग का है। अशोक चौधरी ने कहा कि अगर भवन निर्माण विभाग का कोई एग्जीक्यूटिव इंजीनियर यह कहता है कि बंगले से सरकारी सामान चोरी हुए हैं, तभी उस पर क्लेम बनता है। केवल अनुमान के आधार पर किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है।

मान लीजिए तेज प्रताप यादव ने अपने निजी खर्च से पंखा या अन्य कोई सामान लगवाया हो, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि उन्होंने पूरा मकान खाली कर उसे खंडहर बना दिया। बिना जांच के इस तरह के बयान देना जल्दबाजी है। लखेंद्र पासवान के बयान को लेकर अशोक चौधरी ने सफाई देते हुए कहा कि उनका ऐसा कहने का मतलब नहीं था। उन्होंने कहा कि संभव है कि जब लखेंद्र पासवान को बंगला खाली मिला, तो उन्होंने उसी प्रतिक्रिया में यह बात कह दी हो। पूरे मामले की सही जानकारी केवल भवन निर्माण विभाग ही दे सकता है।

मंत्री लखेंद्र पासवान को अलॉट हुआ है बंगला: दरअसल, पूर्व मंत्री और JJD अध्यक्ष तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित 26 एम स्टैंड रोड का सरकारी आवास कल शनिवार को ही खाली कर दिया था। बताया जा रहा है कि आवास में मौजूद फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान को LR भारत के नाम से अनीसाबाद रोड स्थित ऑफिस में शिफ्ट किया गया है। ये बंगला मंत्री लखेंद्र पासवान को अलॉट हुआ है। उनका आरोप है कि सरकारी आवास से सामान गायब है। उन्होंने बताया था कि बंगले से पंखा, कुर्सी, एसी, बल्ब तक नहीं है।

सरकारी आवास में हर विधायक-मंत्री को सुविधा दी जाती है। खंडहर भवन नहीं मिलता है, लेकिन यहां तो छत भी डैमेज है। ये आवास फिलहाल रहने लायक नहीं है, जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती। इस आवास में आपको कुछ नहीं मिलेगा। पंखा-एसी सब उजाड़ लिया गया गया। मैंने इसकी जानकारी भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को भी दी है, उन्हें सब दिखा दिया है।

तेजप्रताप यादव को सरकारी आवास (26 M स्ट्रैंड रोड, पटना) खाली करने का नोटिस 25 नवंबर 2025 को दिया गया था। महुआ सीट से 2025 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद भवन निर्माण विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया। उनके साथ ही राबड़ी देवी को भी 10 सर्कुलर रोड आवास को खाली करने का भी नोटिस दिया गया था।

संक्षिप्त समाचार

सीकरीया फार्मेसी कॉलेज परिसर में संत रविदास जयंती का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी : प्रसिद्ध उद्योगपति व भाजपा युवा नेता यमुना सीकरीया द्वारा अपने सीकरीया फार्मेसी कॉलेज परिसर में रविवार को संत रविदास जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यमुना सीकरीया के साथ वार्ड पार्षद धीरज जयसवाल, अनिल प्रसाद एवं अन्य गणमान्य लोगों ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर यमुना सीकरीया ने कहा कि संत रविदास महाराज जी के विचारों में न्याय और करुणा का भाव सर्वोपरि था, जो जनकल्याण की हमारी योजनाओं के मूल में है। उन्होंने सामाजिक समरसता एवं सद्भावना के जिस दीप को प्रज्वलित किया, वह देशवासियों के पथ को सदैव आलोकित करता रहेगा।उन्होंने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि कृष्ण भक्त मीराबाई संत रविदास जी के विचारों एवं भक्ति से प्रेरित होकर उन्हें अपना गुरु मानती थीं।

किसान पंजीकरण अभियान को लेकर विशेष तैयारी, अनुमंडलों में बैठकों का दौर

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में 02 फरवरी से 06 फरवरी तक चलने वाले विशेष फार्मर रजिस्ट्री (एफ.आर.) अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है। इसी क्रम में सदर अनुमंडल मोतिहारी के अंतर्गत सभी किसान सलाहकार, राजस्व कर्मचारी, आवास सहायक एवं पीईए की बैठक नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संबंधित पदाधिकारियों ने की, जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। बैठक में पंजीकरण प्रक्रिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज द्वारा अरेराज अनुमंडल के सभी किसान सलाहकार, राजस्व कर्मचारी, आवास सहायक एवं पीईए के साथ बैठक कर विशेष एफ.आर. अभियान को सफल बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल ने भी रक्सौल अनुमंडल अंतर्गत संबंधित कर्मियों के साथ बैठक कर 02 से 06 फरवरी तक चलने वाले किसान पंजीकरण अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। पकड़ीदयाल अनुमंडल में भी अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा किसान पंजीकरण से जुड़े सभी कर्मियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में डोर-टू-डोर संपर्क कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने तथा आपसी समन्वय बनाए रखते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष अभियान से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी, साथ ही भूमि और फसल से संबंधित आंकड़ों का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा।

गन्ना समन्वय समिति की बैठक आयोजित, आपूर्ति और भुगतान व्यवस्था पर हुई समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी। ईख पदाधिकारी, मोतिहारी की अध्यक्षता में गन्ना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें गन्ना आपूर्ति, चालान निर्गमन, पथ क्रय केंद्रों के संचालन, गन्ना मूल्य भुगतान सहित अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत समीक्षा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान गन्ना आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा समयबद्ध गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। विभिन्न चीनी मिलों एवं विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र की प्रगति से समिति को अवगत कराया और व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी रखे। बैठक में ईख पदाधिकारी मोतिहारी राहुल कुमार अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा गिरिजेश सिंह, डीजीएम (केन) विष्णु चीनी मिल, संजीव कुमार, उप गन्ना प्रबंधक एचबीएल सुगौली, अखिलेश कुमार सिंह, मुख्य गन्ना प्रबंधक मझौलिया तथा संजीव कुमार शर्मा, कार्यपालक उपाध्यक्ष (गन्ना) सिधवलिया भी बैठक में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त बैठक में किसान भी उपस्थित रहे, जिन्होंने गन्ना आपूर्ति, भुगतान एवं अन्य समस्याओं से संबंधित अपने अनुभव और सुझाव समिति के समक्ष रखे। अधिकारियों ने किसानों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके समाधान का आश्वासन दिया।

नवाचारी शिक्षकों के सम्मान से गूंजा मोतिहारी, डायट छतौनी में 115 शिक्षक हुए सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले के मोतिहारी छतौनी स्थित डायट के प्रांगण में शनिवार को 'मेरा मोबाइल मेरी शिक्षा' मंच की ओर से आयोजित जिला स्तरीय सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में बिहार के सरकारी विद्यालयों के 115 नवाचारी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट व डिजिटल नवाचार के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। प्रीति कुमारी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और अभियान गीत ने समारोह को जीवंत बना दिया। वहीं मनोहर दत्त मिश्रा के नेतृत्व में प्रस्तुत 'अभियान गीत' ने शिक्षकों में ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। लोकगीत व लोकनृत्य की प्रस्तुतियों ने बिहार की सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की।

2019 में हुई थी मंच की शुरुआत :-बताया गया कि टीबीटी 'मेरा मोबाइल मेरी शिक्षा' मंच की शुरुआत वर्ष 2019 में डॉ. कुमार गौरव द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य सरकारी शिक्षकों के शैक्षणिक नवाचारों को एक साझा मंच देना और डिजिटल माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। आज यह मंच राज्यभर के शिक्षकों को जोड़ते हुए शिक्षा में तकनीकी प्रयोग का मजबूत आधार बन चुका है।

मंच पर दिखी मजबूत नेतृत्व टीम :-समारोह की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पूनम ठाकुर ने की। इस अवसर पर प्रमंडल अध्यक्ष अलका सिंह एवं माला सिन्हा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला स्तरीय 11 सदस्यीय टीम की अहम भूमिका रही।

मोबाइल बना पढ़ाई का मजबूत माध्यम :-वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि फेसबुक आधारित यह मंच शिक्षकों को न केवल अपडेट रख रहा है, बल्कि मोबाइल को शिक्षा का सशक्त माध्यम बनाकर दूर-दराज के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचा रहा है। सम्मानित शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि तकनीक के उपयोग से पढ़ाई को किस तरह रोचक और प्रभावी बनाया जा सकता है।

नवाचार को मिला मंच और सम्मान :-समारोह में सम्मानित शिक्षक ओमप्रकाश सिंह, रंजीत कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का समापन शिक्षा में नवाचार को निरंतर आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ किया गया।

मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत कांग्रेस का डीएम कार्यालय घेराव, राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला कांग्रेस कमिटी, पूर्वी चंपारण द्वारा मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय की अध्यक्षता में शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय, पूर्वी चंपारण का घेराव एवं जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के उपरांत जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के नाम एवं उसके अधिकार-आधारित स्वरूप में किए जा रहे बदलावों का कड़ा विरोध दर्ज कराना था। कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट मत है कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों का कानूनी अधिकार है और इसे कमजोर करना संविधान एवं सामाजिक न्याय की भावना के विरुद्ध है। इस प्रदर्शन में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्याम बिहारी प्रसाद (पूर्व विधायक), उमर सैफुल्लाह खान, अनवर आलम अंसारी, रंजन शर्मा, विजय शंकर पांडे, ओबैदूर रहमान खान, बिट्टू यादव, अखिलेश दयाल, राहुल शर्मा, ऋषि सिंह, किरण कुशवाहा, पप्पू रंजन मिश्रा, रमेश कुमार श्रीवास्तव, बृजेंद्र कुमार तिवारी, मुन्नी देवी, शंभू राम, रविंद्र नाथ तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। वहीं जिलाध्यक्ष इंजीनियर शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के लिए काम का अधिकार है। इसके नाम से महात्मा गांधी जी को हटाना और इसे अधिकार-आधारित कानून से योजना में बदलना गरीबों के साथ अन्याय है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि मनरेगा के स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की गई, तो जनहित में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बजट की सराहना, आम करदाता को राहत

बीएनएम @ मोतिहारी

रविवार को बजट पर चर्चा करने हेतु मोतिहारी चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी शहर के एक निजी होटल में एकत्र हुए। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष महेश सिन्हा ने की। इस अवसर पर महासचिव आलोक कुमार, उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता, उप सचिव विनय देवकुलियार सहित अन्य व्यवसाई उपस्थित रहे। अधिकतर व्यवसायियों ने इस बजट की एक सुर में सराहना की। आम करदाता को काफ़ी राहत मिलने की बात कही गई। कैंसर एवं शुगर की दवाओं पर आयात शुल्क घटाने से मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद जताई गई। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए अध्यक्ष महेश सिन्हा ने खुशी व्यक्त की। बजट में 7 रेल एक्सप्रेस कॉरिडोर बनाने और पुराने उद्योगों को बढ़ावा देने की घोषणा की गई है, हालांकि अस्पतालों के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार को लेकर कोई विशेष घोषणा नहीं होने पर निराशा भी जताई गई। इनकम टैक्स जमा करने की समय-सीमा में बदलाव किया गया है। शहरों में इलेक्ट्रिक बसें चलाने की घोषणा से प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा देश के शहरों के विकास के लिए 5000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की गई है, जिसका लाभ आम आदमी को मिलेगा। कुल मिलाकर इसे एक संतुलित आम बजट बताया गया।

> कर्तव्य भवन से यह पहला बजट विकसित भारत के नेतृत्व करने वाला सराहनीय है। सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। युवा शक्ति के रोजगार सृजन का जो प्रयास किया गया है। वह आम जनता को शब्दों के आडंबर से दिग भ्रमित कर रहा है। इसके चलते सभी वर्गों में निराशा और मायूसी है। बजट में किये गए प्रयास अत्यंत सराहनीय है, लक्ष्य प्राप्त कर सकें। इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।
>
> **डॉ. शंभूनाथ सीकरीया, प्रसिद्ध उद्योगपति**

किसान पंजीकरण अभियान को लेकर विशेष तैयारी, अनुमंडलों में बैठकों का दौर

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में 02 फरवरी से 06 फरवरी तक चलने वाले विशेष फार्मर रजिस्ट्री (एफ.आर.) अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है। इसी क्रम में सदर अनुमंडल मोतिहारी के अंतर्गत सभी किसान सलाहकार, राजस्व कर्मचारी, आवास सहायक एवं पीईए की बैठक नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संबंधित पदाधिकारियों ने की, जिसमें जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। बैठक में पंजीकरण प्रक्रिया एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई। इसी कड़ी में अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज द्वारा अरेराज अनुमंडल के सभी किसान सलाहकार, राजस्व कर्मचारी, आवास सहायक एवं पीईए के साथ बैठक कर विशेष एफ.आर. अभियान को सफल बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल ने भी रक्सौल अनुमंडल अंतर्गत संबंधित कर्मियों के साथ बैठक कर 02 से 06 फरवरी तक चलने वाले किसान पंजीकरण अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। पकड़ीदयाल अनुमंडल में भी अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा किसान पंजीकरण से जुड़े सभी कर्मियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में डोर-टू-डोर संपर्क कर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने तथा आपसी समन्वय बनाए रखते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि इस विशेष अभियान से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी, साथ ही भूमि और फसल से संबंधित आंकड़ों का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जा सकेगा।

नरकटिया बाजार में विराट हिन्दू सम्मेलन सम्पन्न, एकता और समरसता का दिया संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी

नरकटिया बाजार में रविवार को विराट हिन्दू सम्मेलन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ शंखनाद और शांति पाठ के साथ हुआ, जिसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया। सम्मेलन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने हिन्दू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं की रक्षा पर बल दिया तथा सामाजिक समरसता और संगठन की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण बना रहा, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और प्रभाव और भी बढ़ गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच श्रीराम खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में हिन्दू जागरण मंच तथा नरकटिया बाजार के समस्त हिन्दू समाज का सराहनीय योगदान रहा। स्थानीय लोगों ने सम्मेलन की प्रशंसा करते हुए इसे समाज को जोड़ने और सकारात्मक संदेश देने वाला आयोजन बताया।

पटना की रिद्धि ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का किया प्रतिनिधित्व

बीएनएम @ मोतिहारी

रिद्धि

मोतिहारी- कहते हैं, पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। इस मुहावरे को एक छोटी सी बच्ची ने बखूबी सिद्ध किया है। पटना की निवासी रिद्धि ने बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व पहली बार नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित "सब जूनियर नेशनल प्रतियोगिता" में भाग लेकर दिखाया जो 12 से 14 दिसम्बर 2025 को आयोजित किया गया था। जिसमें रिद्धि ने "सब जूनियर नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता" में भाग लिया और उसने अंडर -47 kg में भाग लेते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंची और वहां शानदार परफोर्मेंस के साथ टॉप 8 में अपनी जगह बनाई। किलकारी के कोच मुन्ना कुमार ने संवाददाता प्रतीक राजवीर को बताया कि रिद्धि किलकारी पटना में लगातार 4 वर्षों से ताईक्वांडो का प्रशिक्षण ले रही है और वह काफी मेधावी है। वह महज़ 7 वर्ष की उम्र से ही ताईक्वांडो का प्रशिक्षण उनसे ले रही है। उन्होंने आगे बताया कि रिद्धि के माता- पिता ने भी बेटी की चाहत का पूरा सम्मान किया और बेटी के सपना को पूरा करने का निश्चय किया, क्योंकि उनलोगों को पता है कि लड़कियों की जिंदगी में ताईक्वांडो की कितनी अहमियत है। इस बात को रिद्धि के माता- पिता बखूबी जानते हैं और समझते भी हैं। रिद्धि के माता- पिता अपनी बेटी को उसके निर्धारित समय पर प्रेक्टिस करने के लिए किलकारी भेजते हैं और रिद्धि भी पूरी निष्ठा से अपने निर्धारित समय से प्रेक्टिस करना शुरू करती है, उसके बाद किलकारी से घर जाने के बाद वह स्कूल के लिए तैयार होती है। इस तरह खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी रिद्धि का पूरा ध्यान रहता है। रिद्धि की माता जी ने संवाददाता प्रतीक को दूरभाष पर बताया कि हर माता- पिता को अपनी बेटियों को ताईक्वांडो का प्रशिक्षण जरूर दिलवाना चाहिए जिसका इस्तेमाल बेटियां विपरीत परिस्थितियों में कर सके और अपनी रक्षा खुद कर सके। रिद्धि के पिता ने बताया कि रिद्धि ने बिहार सरकार के खेल विभाग में 3 लाख के स्कॉलरशिप के लिए आवेदन दिया है, अगर उसका आवेदन खेल विभाग द्वारा स्वीकृत हो जाता है तो रिद्धि के सपने को एक नई उड़ान मिलेगी और भविष्य में देश का मान भी बढ़ाएगी।

शिक्षा संवाद को नई दिशा दे रहा "टीचर्स ऑफ बिहार"

बीएनएम @ मोतिहारी @ श्रीनिवास कुमार

बिहार की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में हाल के वर्षों में शिक्षकों की भूमिका केवल अध्यापन तक सीमित न रहकर वैचारिक सहभागिता और नवाचार की ओर बढ़ी है। इसी बदलाव की पृष्ठभूमि में टीचर्स ऑफ बिहार एक प्रभावी मंच के रूप में सामने आया है, जो शिक्षकों को शिक्षा नीति, नवाचार और शिक्षक अधिकारों पर संवाद के लिए एक साझा अवसर प्रदान कर रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार की पहचान एक ऐसे शिक्षक समूह के रूप में बन रही है, जो बिना किसी औपचारिक संस्थागत दबाव के सहयोग, अनुभव-साझाकरण और रचनात्मक पहल को प्राथमिकता देता है। इस मंच से जुड़े शिक्षक डिजिटल माध्यमों के जरिए अपने शैक्षणिक नवाचार साझा कर रहे हैं और साथ ही सरकारी विद्यालयों की जमीनी चुनौतियों पर गंभीर तथा सार्थक विमर्श भी कर रहे हैं। ऑनलाइन बैठकों, शैक्षणिक चर्चाओं और नवाचार आधारित संवादों के माध्यम से राज्य के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक भी मुख्यधारा के शैक्षणिक विमर्श से जुड़ पा रहे हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की सहभागिता शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सहभागी और प्रभावी बना रही है। इस मंच की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह औपचारिक सम्मान या पुरस्कार से अधिक शिक्षक सशक्तिकरण, व्यावसायिक गरिमा और कार्य की गुणवत्ता पर जोर देता है। मंच से जुड़े शिक्षकों का मानना है कि शिक्षक का वास्तविक सम्मान उसके कक्षा-कक्ष में किए गए नवाचार और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर से तय होता है। इसके साथ ही शिक्षा से जुड़े नीतिगत निर्णयों, शिक्षक हितों और विद्यालयी सुधार जैसे विषयों पर टीचर्स ऑफ बिहार समय- समय पर अपने विचार सार्वजनिक करता रहा है, जिससे यह मंच शिक्षक समुदाय और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद की एक सशक्त कड़ी बनता जा रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार और टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि यह मंच शिक्षकों की सामूहिक शक्ति और सकारात्मक सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षक सशक्तिकरण को मजबूती देना है। वहीं प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार के अनुसार, यह मंच निरंतर संवाद, नवाचार और सहयोग के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में रचनात्मक बदलाव की दिशा में कार्य कर रहा है। शैक्षणिक जानकारों का मानना है कि यदि ऐसे शिक्षक- आधारित मंचों को निरंतर रचनात्मक समर्थन मिलता रहा, तो बिहार की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन संभव है। आज टीचर्स ऑफ बिहार एक संगठन भर नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का साझा विचार बन चुका है, जहाँ शिक्षक केवल श्रोता नहीं बल्कि बदलाव के सक्रिय सूत्रधार हैं।

संक्षिप्त समाचार

बगहा-बेलवनिया पुल के लिए शास्त्री नगर चौक पर मुंडन संस्कार

बीएनएम @ बगहाः बगहा के शास्त्री नगर चौक पर बगहा–बेलवनिया पुल परियोजना को निरस्त किए जाने के विरोध में रविवार को संघर्ष समिति द्वारा सामूहिक मुंडन संस्कार कर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया गया। समिति के अध्यक्ष अजय साहनी के नेतृत्व में टूनू तिवारी, असलम अंसारी और ओसामा मंजर सहित कई सदस्यों ने अपना मुंडन कराया और सरकार व जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।वक्ताओं ने आक्रोश जताते हुए कहा कि गंडक नदी पर प्रस्तावित यह महत्वाकांक्षी फोरलेन पुल क्षेत्र की 'लाइफलाइन' है। इसके निर्माण से बिहार के बगहा और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर (खड्डा) के बीच की दूरी 70 किलोमीटर से घटकर मात्र 8 किलोमीटर रह जाती। परियोजना रद्द होने से स्थानीय व्यापार और पर्यटन को भारी नुकसान होगा।प्रदर्शनकारियों ने "पुल नहीं तो वोट नहीं" का नारा बुलंद करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो आगामी लोकसभा चुनाव में उग्र जन आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायक होने के बावजूद पुल का निरस्त होना जनता के साथ विश्वासघात है। इस बैठक में विशाल पांडेय, दयाशंकर सिंह और सैकड़ों अन्य नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने एक सुर में इस उपेक्षा का विरोध किया।

धूमधाम से मनाई गई संत गुरु रविदास जयंती

बीएनएम @ अररिया । अररिया के फुलकाहा थाना क्षेत्र के मानिकपुर में संतश्री गुरु रविदास की जयंती के मौके पर रविवार को उनके अनुयायियों और श्रद्धालुओं के द्वारा नगर कीर्तन निकाला गया। जिसमें उनके अनुयायी नाचते गाते झूमते नजर आए। बैंड बाजों के धुन के साथ निकले शोभायात्रा जुलूस में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।शोभायात्रा में विनोद आनंद हरिओम,परमानंद राम, शंभू कुमार राम, शिवचन्द राम, रामविलास राम, ब्रह्मदेव राम, अखलेश राम,विद्यानंद राम श्रवण राम,बृजकिशोर राम, कालेश्वर राम,दुर्गानंद राम,संतोष राम,महेश राम,फुलचानंद राम, राजदेव राम सहित बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया।मौके पर वक्ताओं ने कहा कि गुरु रविदास जी 14वीं-15वीं सदी में भक्ति आंदोलन के महान संत कवि थे, जिनका जन्म वाराणसी के पास हुआ और वे मोची का काम करते थे।उन्होंने जाति-पाति का खंडन कर सामाजिक समानता और निर्गुण ईश्वर की भक्ति का संदेश दिया, और उनके भजन गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल हैं। रविदासिया पंथ के संस्थापक और समाज सुधारक के रूप में वे पूजे जाते हैं।

माघी पूर्णिमा को लेकर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

बीएनएम @ भागलपुर । माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को भागलपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्थित विभिन्न गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। बरारी सीढ़ी घाट, जहाज घाट, कहलगांव बटेश्वर घाट पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। आपदा मित्र, एनडीआरएफ की टीम, गोताखोरों के साथ-साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। वहीं भीड़ के दबाव को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था को भी पूरी तरह से नियंत्रित किया गया। प्रमुख मार्गों पर वाहनों का डायवर्जन किया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्थानीय थाना क्षेत्रों की पुलिस भी घाटों और आसपास के इलाकों में तैनात रही, जिससे कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन की सतर्कता और व्यवस्थाओं के चलते माघी पूर्णिमा का यह पावन स्नान पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ

हरना गांव में व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई

बीएनएम @ जमुई / झाझाः झाझा थाना क्षेत्र के हरना गांव में घर पर बैठे एक व्यक्ति, गिरिधारी नैया, पर गांव के ही 5-6 लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद रोहित, रामू नैया और धनेश्वर नैया सहित अन्य लोगों ने लाठी-डंडे और ईंट-पत्थरों से उन पर हमला कर दिया।गंभीर रूप से घायल गिरिधारी ने झाझा थाना पहुंचकर लिखित आवेदन दिया है। पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है।

दरभंगा राज को वापस मिला 'रुद्र कला भवन

बीएनएम @ दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय प्रशासन ने 37 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रुद्र कला भवन महाराजा कामेश्वर सिंह धार्मिक न्यास को वापस सौंप दिया। यह भवन वर्ष 1986 में विश्वविद्यालय द्वारा धार्मिक न्यास से किराये पर लिया गया था। बाद में किराये की राशि का भुगतान नहीं होने पर वर्ष 1989 में न्यास ने भवन वापसी के लिए न्यायालय की शरण ली थी।न्यायालय में चले टाइटल वाद में पारित आदेश के आलोक में शनिवार को पीजी संगीत एवं नाट्य विभाग के अंतर्गत चार कमरे और एक प्रेक्षागृह राज दरभंगा के प्राधिकृत पक्षकार ईशनाथ झा को औपचारिक रूप से सुपुर्द किया गया। परिसंपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया प्रभारी कुलसचिव सह भू-संपदा पदाधिकारी की उपस्थिति में पूरी की गई।इस मौके पर न्यायालय में पदस्थापित नाजिर यदुनंदन रॉय भी मौजूद थे। सभी संबंधित पक्षों ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में राज दरभंगा के प्रबंधक सह सचिव आशुतोष दत्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नशीली दवाओं के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम @ पूर्वी चंपारण, भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियो ने संयुक्त कारवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवाओं की तस्करी का पटाक्षेप करते हुए दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया हैं। उक्त कारवाई शनिवार की देर रात की हैं।दरअसल एसएसबी 71वीं बटालियन के खुफिया तंत्र को जानकारी मिली थी की कुछ अज्ञात व्यक्ति भारत से नेपाल की ओर सिकोटॉपिक ड्रग और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी मे शामिल हैं। सूचना पर 71वीं बटालियन एफ कंपनी एसएसबी जमुनिया और झरौखर थाने के साथ संयुक्त करवाई मे भारत सीमा के अमवा गाँव से दो सौ मीटर पीलर संख्या 357/9 के समीप ऑटो रिक्सा रजिस्ट्रेशन नंबर बी आर 05आर ए 4481 पर लदी नशीली साइकोट्रोपिक दवा बरामद किया है। दवाओं मे ट्रामाडोल हैद्रो क्लोराइड सहित एक लाख आरतालिस हजार पांच सौ टैबलेट शामिल हैं।पकड़े गए कारोबारी मे तपस कुमार पिता दयाल चंद्र दास ग्राम बसतपुर और गुलशन कुमार पिता जायगोपाल दास बसतपुर थाना मोतिहारी को गिरफ्तार कर झरौखर पुलिस को सौप दिया गया।

दलित टोले में चार राउंड फायरिंग, दहशत में ग्रामीण

बीएनएम @ भागलपुरः नवगछिया पुलिस जिला के भवानीपुर थाना क्षेत्र स्थित नारायणपुर गांव में दबंगई और दहशत का मामला सामने आया है। यहाँ के दलित टोला में शिवा यादव नामक व्यक्ति पर केस वापस लेने का दबाव बनाने के लिए खुलेआम गोलीबारी करने का आरोप लगा है। पीड़ित राजकिशोर पासवान के अनुसार, आरोपी ने उन्हें और उनके परिवार को डराने के लिए लगातार चार राउंड फायरिंग की।इस पूरी वारदात का एक लाइव वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी को सरेआम गोलियां चलाते देखा जा सकता है। विवाद की जड़ 27 जनवरी की एक पुरानी घटना है, जिसमें आरोपी ने पीड़ित के पुत्र के साथ मारपीट की थी। उसी मामले में दर्ज प्राथमिकी को वापस लेने के लिए अब हथियारों के दम पर डराया जा रहा है। भवानीपुर थानाध्यक्ष शुंभ पासवान ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इस घटना के बाद से पूरे दलित टोला में भय का माहौल है और ग्रामीण सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति (आपूर्ति) की समीक्षा बैठक आयोजित

बीएनएम @ अरेराज

अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज अंजली शर्मा की अध्यक्षता में अनुमंडलीय सभागार भवन में अनुमंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति (आपूर्ति) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारी अरेराज (सचिव), अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक तथा अनुश्रवण समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत सरकार द्वारा संचालित वर्तमान योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय निर्देशों के अनुरूप पीएचएच एवं अंत्योदय राशन कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण नियमपूर्वक सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ई-पॉस डिवाइस के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण द्वारा हो रहे खाद्यान्न वितरण पर सतत निगरानी रखें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय पर जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके और लाभार्थियों को सही मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके। जनवरी 2026 माह के खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अब तक 90 प्रतिशत से अधिक राशन कार्डधारियों द्वारा खाद्यान्न प्राप्त किया जा चुका है। शेष लाभार्थियों को जागरूक कर शीघ्र खाद्यान्न प्राप्त कराने का अनुरोध किया गया। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि विभाग द्वारा जनवरी 2026 के खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 03 फरवरी 2026 तक कर दी गई है। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों के ई-केवाईसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई और इसे शीघ्र शत-प्रतिशत पूर्ण करने को लेकर सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए गए। सदस्यों से अपने स्तर पर लाभार्थियों को ई-केवाईसी की अनिवार्यता के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया, ताकि किसी भी वास्तविक पात्र लाभार्थी का नाम ई-केवाईसी के अभाव में राशन कार्ड से विलोपित न हो। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा चिह्नित संदेहास्पद एवं अपात्र राशन कार्डधारियों के विरुद्ध जारी नोटिस की जानकारी भी दी गई। साथ ही अनुमंडल क्षेत्र में छूटे हुए पात्र परिवारों के राशन कार्ड निर्माण की प्रक्रिया से सदस्यों को अवगत कराया गया और सुझाव लिए गए, ताकि केवल पात्र परिवारों को ही राशन कार्ड निर्गत किया जा सके तथा कोई भी योग्य परिवार लाभ से वंचित न रहे। प्रशासन ने अपात्र राशन कार्डधारियों के नाम विलोपित कराने में सभी सदस्यों से सहयोग की अपील की।

मुजफ्फरपुर में नकली नमक का काला कारोबार पकड़ा गया

बीएनएम @मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के राजेपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की सतर्कता टीम ने एक बड़े जालसाजी का भंडाफोड़ किया है। फुलवारिया चौक पर की गई इस संयुक्त छापेमारी में भारी मात्रा में नकली 'टाटा नमक' बरामद किया गया। यह पूरी कार्रवाई कंपनी की लीगल सेल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसका नेतृत्व सर्किल ऑफिसर अंजन कुमार ने किया। टीम ने पहले ग्राहक बनकर स्थानीय दुकानों से नमक खरीदा और जांच में पाया कि पैकेट की ब्रांडिंग और पैकिंग असली टाटा नमक से इतनी मिलती-जुलती थी कि साधारण उपभोक्ता के लिए अंतर करना लगभग असंभव था।नकली नमक की पुष्टि होने के बाद, राजेपुर थानाध्यक्ष के सहयोग से जगरनाथ चौधरी के गोदाम पर छापा मारा गया। वहां से 3,000 से अधिक नकली नमक के पैकेट और हजारों की संख्या में खाली रैपर जब्त किए गए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह घटिया गुणवत्ता वाले साधारण नमक को ब्रांडेड पैकेट में भरकर ऊंचे दामों पर बेच रहा था। अधिकारियों के अनुसार, बिना किसी मानक और सही आयोडीन मात्रा के बिकने वाला यह नमक जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है।फिलहाल पुलिस ने गोदाम को सील कर दिया है और मुख्य आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस नकली नमक का निर्माण कहां हो रहा था और इसकी सप्लाई चेन जिले में कहां-कहां तक फैली हुई है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि मिलावटखोरों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बगहा में 11 केंद्रों पर 6,328 परीक्षार्थी होंगे शामिल

» आज से इंटर परीक्षा का आगाज

बीएनएम @ बगहा

सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात

बगहा अनुमंडल में इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा 2026 का आगाज आज 2 फरवरी से होने जा रहा है। 13 फरवरी तक चलने वाली इस परीक्षा को पूरी तरह कदाचार-मुक्त और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) चांदनी कुमारी के नेतृत्व में पुलिस और शिक्षा विभाग ने पुख्ता समन्वय स्थापित किया है, ताकि बोर्ड की 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' का सख्ती से पालन हो सके।परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली सुबह 9:30 बजे से और द्वितीय पाली दोपहर 2:00 बजे से शुरू होगी। बोर्ड के कड़े निर्देशों के अनुसार, परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले केंद्र पर पहुँचना अनिवार्य है; देर होने पर प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। बगहा अनुमंडल में कुल 11 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ लगभग 6,328 परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे।सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल और वीक्षकों की तैनाती की गई है। एसडीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संवेदनशील केंद्रों की निगरानी के लिए उड़नदस्ता दल (Flying Squad) सक्रिय रहेंगे। साथ ही, केंद्रों के आसपास धारा 144 जैसी पाबंदियां और अनावश्यक भीड़ पर रोक रहेगी। परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश पत्र के साथ फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य है। प्रशासन ने अभिभावकों और नागरिकों से इस शैक्षणिक महाकुंभ को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

डीलर फेयर प्राइस एसोसिएशन के चुनाव में मिथिलेश पासवान और अमित कुमार विजयी

बीएनएम @ रामगढ़वा@ विजय कुमार

डीलर फेयर प्राइस एसोसिएशन प्रखंड में सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए रामगढ़वा बाजार स्थित तेल डिपो के परिसर में शनिवार को चुनाव संपन्न हुआ। एम ओ रंजन कुमार की देखरेख में हुए इस चुनाव में कुल 91 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया।

सचिव पद पर मिथिलेश पासवान विजयी–सचिव पद पर मिथिलेश पासवान को 57 मत मिले, जबकि चंद्रमोहन सिंह को 15 मत और अरविंद चौधरी को 19 मत मिले। इस प्रकार मिथिलेश पासवान को 38 मत से सचिव पद पर निर्वाचित घोषित किया गया।

कोषाध्यक्ष पद पर अमित कुमार विजयी–वहीं कोषाध्यक्ष पद पर अमित कुमार को 37 मत मिले, जबकि गोपाल बैठा को 28 मत और बिपिन को 26 मत मिले। इस प्रकार अमित कुमार को 9 मत से कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रमाण पत्र सौंपा गया–सचिव और कोषाध्यक्ष को एम ओ रंजन कुमार के द्वारा प्रमाण पत्र सौंपा गया। यह चुनावी कार्यकाल 5 वर्षों के लिए हुआ है। मौके पर धर्मेन्द्र मिश्रा उर्फ डुल्लु मिश्रा, अध्यक्ष उग्रिम प्रसाद, अच्छेलाल प्रसाद, गोपाल बैठा, वृजकिशोर प्रसाद, उमेश सिंह, संतोष सिंह, अमित कुमार, मनोज सिंह, मुकेश ओझा, मनु बैठा, मुकेश सिंह, अमानुल्लाह, मोतिउर्रज्जा, दामोदर मिश्र, सोनु कुमार, वृजमोहन तिवारी, नरेश बैठा, अहिल्या देवी, प्रियंका कुमारी, सीता देवी सहित अन्य मतदाता मौजूद थे।

डुमरियाघाट गंडक दियारा में पुलिस का बड़ा एक्शन : 4,000 लीटर देसी शराब (पास) नष्ट, तीन शराब भट्टियां ध्वस्त

» गंडक नदी दियारा बना था शराब का अड्डा, दियारा में धधकती थीं शराब भट्टियां

» एलटीएफ और पुलिस टीम के संयुक्त ऑपरेशन में हुई कारवाई

बीएनएम @डुमरियाघाट

डुमरियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत गंडक नदी के दियारा इलाके में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस और मद्य निषेध विभाग की संयुक्त टीम ने रविवार को एक बड़ी और निर्णायक कारवाई को अंजाम दिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में करीब 4,000 लीटर कच्चा देसी शराब (पास) नष्ट किया गया, जबकि मौके पर संचालित तीन अवैध शराब भट्टियों को ध्वस्त कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डुमरियाघाट स्थित गंडक नदी के दियारा क्षेत्र में लंबे समय से अवैध देसी शराब के निर्माण और तस्करी की शिकायतें मिल रही थीं। इसी क्रम में एएलटीएफ (एंटी लिकर टास्क फोर्स) के साथ स्थानीय पुलिस और मद्य निषेध विभाग की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया। टीम के पहुंचते ही शराब माफिया भाग निकले, हालांकि मौके से शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरण, ड्रम, पाइप, चूल्हे और अन्य सामग्री बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन अलग-अलग स्थानों पर चल रही शराब भट्टियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। साथ ही बड़ी मात्रा में कच्चे पास को जमीन पर बहाकर और जलाकर नष्ट किया गया, जिससे शराब निर्माण की तत्काल संभावना समाप्त हो सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दियारा क्षेत्र भौगोलिक रूप से दुर्गम होने के कारण शराब माफिया इसे सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं, लेकिन अब ऐसे इलाकों पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है, जबकि स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन की इस सख्त पहल का स्वागत किया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि फरार शराब कारोबारियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दियारा क्षेत्र में दोबारा शराब निर्माण न हो, इसके लिए नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाई जा रही है।

भाजपा ही देश की सबसे भरोसेमंद पार्टीः सुरेंद्र यादव

वनक्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा

बीएनएम @जमुई / झाझा

रविवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से यक्षराज स्थान समीप वनक्षेत्र में बैठक आयोजित की गई। जिसकीं अध्यक्षता भाजपा नेता सुरेंद्र यादव ने किया। बैठक में पार्टी जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद केशरी, शैलेश साव, गोपाल बरनवाल, कालिका बरनवाल, भैयालाल माथुरी, परमेश्वर यादव, शम्भूनाथ प्रजापति, प्रशांत सुल्तानियां, विजय अग्रहरी सहित जिलेभर के पार्टी के पदाधिकारी व महिला मोर्चा के पदाधिकारी व अन्य कई लोग शामिल हुए। सुरेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा आज के समय मे देश की बड़ी पार्टी बन चुकी है जिसपर पूरा देश अपने विश्वास को बनाए हुए है। देश के पीएम नरेंद्र मोदी देश की मजबूती से लेकर अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए हुए है। यही कारण है कि देश के कई राज्यो में एनडीए की गठबन्धन बनी हुई है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी की मजबूती जिला से लेकर हर बूथ स्तर पर होनी चाहिए। भाजपा एक ऐसी पार्टी है जहां हर एक कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान दिया जाता है।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मना ऑक्सफोर्ड स्कूल का फेयरवेल

बीएनएम @बरहट (जमुई)

मलयपुर स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाध्यापक अनूप कुमार सिंह और शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं केक काटकर किया गया।इस अवसर पर विद्यालय परिसर सांस्कृतिक छटा से सराबोर रहा। कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और प्रेरक नाटकों की शानदार प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। प्रधानाध्यापक ने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए कहा कि अनुशासन और कठिन परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्कूल की गरिमा को सदैव बनाए रखने की अपील की।शिक्षक रजनीश कुमार, विजय कुमार, सुशील कुमार और इरशाद आलम ने भी छात्रों को नैतिक मूल्यों और निरंतर मेहनत की सीख दी। समारोह में सोनाली, अन्नू, रिया, आदर्श और प्रियांश सहित कई छात्र-छात्राएं भावुक नजर आए। अंत में सभी विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं और जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया गया।

फाइनेंस कर्मी के घर फेंका विस्फोटक, एसपी ने शुरू की गहन जांच

बीएनएम @बगहा

बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरवलिया वृत्ति टोला गांव में शनिवार की रात करीब 11 बजे एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ नीरज राव के घर पर अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा एक झोले में संदिग्ध विस्फोटक सामग्री फेंकी गई, जिससे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना के समय टीवी देख रहे परिवार का कोई भी सदस्य हताहत नहीं हुआ। ग्रामीणों और सूत्रों के अनुसार, झोले में रखे पदार्थ के पहाड़ तोड़ने वाले डायनामाइट होने की आशंका जताई जा रही है।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ कुमार देवेंद्र और थानाध्यक्ष अंकित कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध सामग्री को जब्त कर सुरक्षा घेरे में लिया। रविवार को पुलिस ने नीरज और उनके भाई रिशू को पूछताछ के लिए बुलाया। पीड़ित परिवार का कहना है कि वे लंबे समय से प्रताड़ना के शिकार हैं और इससे पहले भी उनके घर पर पत्थर और अन्य चीजें फेंकी जा चुकी हैं। नीरज, जो वर्तमान में श्री राम फाइनेंस में कार्यरत हैं, की माता का आरोप है कि यह उनके निर्दोष परिवार को फंसाने की एक गहरी साजिश है।एसपी रामानंद कुमार कौशल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गोपालगंज से विशेष बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया है, जिसकी जांच के बाद ही विस्फोटक की श्रेणी स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस आपसी रंजिश और अन्य सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है ताकि दोषियों को बेनकाब किया जा सके।

केंद्र के अनुरोध

सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति उज्जल भूइंया ने यह सटीक प्रश्न उठाया है कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय दिया हो? जब संभल के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर का विवादित तबादला चर्चा में है, सुप्रीम कोर्ट ने जज उज्जल भूइंया ने उच्चतर न्यायपालिका के जजों के तबादले के पीछे की राजनीतिक कहानी पर से परदा हटा कर काफी कुछ उजाले में ला दिया है। न्यायमूर्ति भूइंया ने पूछा कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय दिया हो? हालांकि न्यायमूर्ति ने कोई नाम नहीं लिया, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि उनका इशारा बीते अक्टूबर में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज अतुल श्रीधरन के तबादले की ओर था। जस्टिस श्रीधरन ने कर्नल सोफिया कुरैशी मामले में मध्य प्रदेश के एक मंत्री के बयान का संज्ञान लिया था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने पहले उनका तबादला छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट किया, लेकिन तुरंत ये फैसला बदल कर उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया। अब साफ है कि ऐसा केंद्र के अनुरोध पर किया गया। आम चर्चा है कि इस रूप में सरकार कॉलेजियम के तबादला संबंधी कई फैसलों के प्रभावित कर चुकी है। और जब उच्चतर न्यायपालिका में ये हाल हो, तो निचली अदालतों के बारे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सीजेएम सुधीर ने संभल की हिंसा के मामले में पुलिस अधिकारी पर मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। उसके कुछ ही दिन बाद उनका तबादला हो गया। जस्टिस भूइयां ने उचित चेतावनी दी है कि ऐसी घटनाएं भारतीय न्यायपालिका की साख पर बट्टा लगा रही हैं। उन्होंने कहा- 'अगर हमने अपनी साख खो दी, तो न्यायपालिका में कुछ नहीं बचेगा। जज रहेंगे, अदालतें भी रहेंगी, मुकदमों पर फैसले भी होंगे, लेकिन दिल और आत्मा का लोप हो जाएगा। तमाम जजों को न्यायमूर्ति भूइयां की इन बातों पर भी गौर करना चाहिए कि न्यायापालिका के पास ना तो धन होता है, ना तलवार। उसमें लोगों का भरोसा ही उसकी कुल जमा-पूंजी है। बड़े परिदृश्य में देखें, तो मुद्दा सिर्फ न्यायपालिका नहीं है। सबको इसका ख्याल रखना चाहिए कि इसकी साख चूकने का अर्थ पूरी शासन व्यवस्था के औचित्य को संदिग्ध कर देगा।

बांग्लादेश चुनाव के साये में खून, खौफ और अस्थिरता लोकतंत्र की परीक्षा या इतिहास की पुनरावृत्ति

कांतिलाल मांडोत

बांग्लादेश एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ चुनाव लोकतंत्र का उत्सव बनने के बजाय डर, हिंसा और असुरक्षा की तस्वीर पेश कर रहे हैं। 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले देश में जिस तरह राजनीतिक हिंसा तेज़ हुई है, उसने न सिर्फ आम नागरिकों को भयभीत किया है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए चिंता बढ़ा दी है। बीते 48 दिनों में 16 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और सिर्फ 24 घंटे में 82 लोगों के घायल होने की घटनाएँ यह बताने के लिए काफी हैं कि हालात कितने नाज़ुक हो चुके हैं। राजधानी ढाका से लेकर मयमनसिंह, लालमोनिरहाट और चुआडांगा तक हिंसा की आग फैल चुकी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया खून से सनी दिख रही है। चुनाव की घोषणा 11 दिसंबर को हुई थी और उसी दिन से तनाव का सिलसिला शुरू हो गया। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार अब तक देशभर में 62 से अधिक चुनावी झड़पें दर्ज की जा चुकी हैं। इन घटनाओं में सबसे ज्यादा निशाना विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी के कार्यकर्ता बने हैं। मारे गए 16 लोगों में से 13 बीएनपी से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि उस दहशत का प्रतीक हैं जो चुनाव से पहले राजनीतिक मैदान में फैलाई जा रही है। विपक्ष का आरोप है कि यह हिंसा सुनियोजित है और इसका मकसद चुनाव को प्रभावित करना तथा मतदाताओं को डराना है। हिंसा की प्रकृति और तरीके भी चिंता बढ़ाने वाले हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 16 में से 7 राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या गोली मारकर की गई। इससे साफ संकेत मिलता है कि अवैध हथियारों की खुलेआम मौजूदगी है। जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान लूटे गए हजारों हथियारों में से अब तक बड़ी संख्या में हथियार और गोलियाँ बरामद नहीं हो सकी हैं। यही हथियार आज चुनावी हिंसा को और खतरनाक बना रहे हैं। आम लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि जब सरकार हथियारों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही, तो निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कैसे संभव होंगे। हालिया झड़पों की बात करें तो मयमनसिंह में बीएनपी समर्थकों और बागी उम्मीदवारों के बीच हुई हिंसा में करीब 20 लोग घायल हुए। लालमोनिरहाट में बीएनपी और जमात समर्थकों के बीच टकराव में कम से कम 11 लोग घायल हुए। चुआडांगा के आलमडांगा क्षेत्र में भी ऐसी ही झड़पें हुईं, जहाँ नौ से अधिक लोग घायल हो गए। सबसे चिंताजनक बात यह है कि हिंसा अब सिर्फ दूरदराज़ इलाकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राजधानी ढाका तक पहुँच चुकी है। ढाका में एनसीपी उम्मीदवार अरिफुल इस्लाम अदीच पर हुए हमले ने यह साबित कर दिया कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। इस राजनीतिक हिंसा का सामाजिक असर बेहद गहरा है। चुनाव का समय आमतौर पर बहस, प्रचार और लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा का होता है, लेकिन बांग्लादेश में यह दौर डर और अस्थिरता का बन गया है। लोग घरों से निकलने में हिचक रहे हैं, व्यापार और रोज़मर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो रही है। सबसे ज़्यादा नुकसान अल्पसंख्यक समुदायों को झेलना पड़ा है। पहले हिंदू समुदाय और उनकी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने की घटनाएँ सामने आई थीं, जिनमें कई निर्दोष लोगों की जान गई और उनके घर जलाए गए। अब राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर चुनावी माहौल को और ज़हरीला किया जा रहा है। इससे साफ है कि हिंसा का दायरा लगातार फैल रहा है और कोई भी वर्ग इससे अछूता नहीं है। इस पूरे संकट की पृष्ठभूमि में बांग्लादेश की राजनीति का हालिया इतिहास बेहद अहम है। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भारत आना पड़ा था। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनी, जिसने देश में निष्पक्ष चुनाव कराने का वादा किया। हसीना की पार्टी अवामी लीग को मई 2025 में बैन कर दिया गया, जिससे राजनीतिक संतुलन पूरी तरह बदल गया। यह चुनाव हसीना के 15 साल लंबे शासन के बाद पहली बार ऐसे हालात में हो रहा है जब सत्ता में उनकी पार्टी नहीं है और इसे निष्पक्ष चुनाव के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन मौजूदा हिंसा ने इस उम्मीद पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजनीतिक समीकरण भी काफी जटिल हैं। बीएनपी इस समय 10 दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जबकि जमात 11 दलों के अलग गठबंधन के साथ मैदान में है। इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और जतीया पार्टी जैसे दल भी चुनाव लड़ रहे हैं। इतने सारे गुटों की मौजूदगी में टकराव की आशंका पहले से ही थी, लेकिन जिस स्तर पर हिंसा हो रही है, उसने सभी को चौंका दिया है। विपक्ष सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहा है और कह रहा है कि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। विशेषज्ञों को बांग्लादेश के चुनावी इतिहास को देखते हुए डर है कि कहीं एक बार फिर खून-खराबे की पुरानी कहानी न दोहराई जाए। 1991 के चुनाव में 49 लोगों की मौत हुई थी, 2008 में 21 और 2014 में 142 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। 2018 और 2023 के चुनाव भी विवादों और हिंसा से अछूते नहीं रहे थे, जिन्हें विपक्ष ने एकतरफा बताया था। ऐसे में मौजूदा हालात देखकर यह आशंका और गहरी हो जाती है कि क्या बांग्लादेश इस बार सचमुच शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव करा पाएगा। कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन या तो दबाव में हैं या निष्क्रिय। कई मामलों में पुलिस ने राजनीतिक हत्याओं के पीछे किसी साजिश से इनकार किया है, लेकिन जमीन पर फैले डर को नकारा नहीं जा सकता। जब राजनीतिक कार्यकर्ता खुलेआम मारे जा रहे हों और दोषियों पर तुरंत कार्रवाई न हो, तो आम जनता का भरोसा कानून पर से उठना स्वाभाविक है। यही भरोसे की कमी हिंसा को और बढ़ावा देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बांग्लादेश की छवि दांव पर है। एक ओर अंतरिम सरकार यह संदेश देना चाहती है कि देश लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़कों पर बहता खून इस दावे को कमजोर कर रहा है। पड़ोसी देश भारत में रह रहीं शेख हसीना को लेकर भी तनाव बना हुआ है। उन्हें वापस भेजने की मांग की जा रही है और कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद यह मुद्दा और संवेदनशील हो गया है। इन सबके बावजूद हिंसा का थमना यह बताता है कि समस्या सिर्फ किसी एक व्यक्ति या पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरे राजनीतिक और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है। आज बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह चुनाव को हिंसा से अलग कैसे रखे। लोकतंत्र की असली परीक्षा सिर्फ मतदान कराने से नहीं होती, बल्कि यह सुनिश्चित करने से होती है कि हर नागरिक बिना डर के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। अगर चुनाव खौफ के साये में होते हैं, तो उनके नतीजे चाहे जो हों, वे जनता का विश्वास नहीं जीत पाएंगे। अंतरिम सरकार, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को मिलकर यह समझना होगा कि हिंसा किसी के हित में नहीं है। अगर हालात पर तुरंत काबू नहीं पाया गया, तो यह हिंसा केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि लंबे समय तक देश की स्थिरता और सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुँचा सकती है। बांग्लादेश पहले ही आर्थिक चुनौतियों, बेरोज़गारी और सामाजिक तनाव से जूझ रहा है। ऐसे में राजनीतिक हिंसा आग में घी डालने का काम कर रही है। अब वक्त है कि सभी पक्ष जिम्मेदारी दिखाएँ, हथियारों पर नियंत्रण हो, दोषियों को सजा मिले और चुनाव को सचमुच लोकतंत्र का पर्व बनाया जाए। बांग्लादेश का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आने वाले दिनों में हिंसा पर कितनी सख्ती से लगाम लगाई जाती है। यह चुनाव सिर्फ सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि देश डर के रास्ते पर चलेगा या लोकतांत्रिक स्थिरता की ओर बढ़ेगा।

मौन तोड़ता न्यायः मेंस्ट्रुअल हाईजीन(मासिक धर्म स्वच्छता) और गरिमापूर्ण जीवन का संवैधानिक अधिकार

सुनील कुमार महला

हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने मेंस्ट्रुअल हाईजीन(मासिक धर्म स्वच्छता) को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अहम हिस्सा मानते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है,जो कि काबिले-तारीफ है। कोर्ट ने बिल्कुल साफ यह बात कही है कि लड़कियों और महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए मासिक धर्म के दौरान स्वच्छ और सुरक्षित सुविधाएं मिलना जरूरी है। यहां पाठकों को स्पष्ट करता चलूं कि अनुच्छेद 21 भारतीय संविधान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अनुच्छेद है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। इस अनुच्छेद के अनुसार-किसी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जा सकता है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के जीवन या स्वतंत्रता में मनमाने ढंग से हस्तक्षेप नहीं कर सकता; ऐसा केवल कानून के तहत, न्यायसंगत और उचित प्रक्रिया अपनाकर ही किया जा सकता है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि समय के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 की व्याख्या को व्यापक बनाया है। आज यह केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन को भी समाहित करता है। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, गोपनीयता, आजीविका(रोज़गार), आवास, त्वरित न्याय, मानवीय कार्य-स्थितियाँ, महिला सुरक्षा और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे अधिकार शामिल माने गए हैं। इस प्रकार, अनुच्छेद 21 नागरिकों के मूल अधिकारों की रीढ़ या यूं कहें कि यह भारतीय संविधान की आत्मा है और लोकतांत्रिक शासन में मानव गरिमा की रक्षा का सशक्त आधार प्रदान करता है। दरअसल, हाल ही में इसी सोच के साथ माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है कि स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और आसानी से मिलने वाले सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं, ताकि मासिक धर्म की वजह से उनकी पढ़ाई और सेहत प्रभावित न हो। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह फैसला जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने सुनाया है ।कोर्ट ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता तक पहुंच न होना लड़कियों के गरिमा और निजता के अधिकार का हनन है। इसकी वजह से कई बार लड़कियां स्कूल जाने से कतराती हैं, अनुपस्थित रहती हैं या पढ़ाई ही छोड़ देती हैं। माननीय न्यायालय ने शिक्षा को एक मल्टीप्लायर राइट बताया, यानी ऐसा अधिकार जो बाकी सभी मानवाधिकारों के उपयोग का रास्ता खोलता है। अगर शिक्षा बाधित होती है, तो अन्य अधिकार भी कमजोर पड़ जाते हैं।भारतीय स्कूलों में शौचालयों की स्थिति के राष्ट्रीय आंकड़ों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके अनुसार, लगभग 1.47 करोड़ यू-डाइस वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट में यह दिखाया गया है कि लगभग 96.8% स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय हैं (और 95.3% फंक्शनल) तथा 94.5% स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय मौजूद हैं (90.7% कार्यशील), जो कि पिछले वर्षों की तुलना में एक सकारात्मक संकेत है कि मूलभूत स्वच्छता सुविधाओं का कवरेज बेहतर हुआ है। हालाँकि, अन्य रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि लगभग 67,000 स्कूलों में कार्यशील टॉयलेट की कमी है, जिनमें अधिकतर सरकारी स्कूल शामिल हैं, जिससे साफ-सुथरे और सुरक्षित शौचालय की उपलब्धता में कमी बनी हुई है। इसके अलावा, विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों के लिए दिव्यांग-अनुकूल टॉयलेट केवल लगभग 30-35% स्कूलों में ही मौजूद व कार्यशील हैं, जिससे समावेशी सुविधाओं में और सुधार की आवश्यकता स्पष्ट होती है। कुछ क्षेत्रों में अभी भी कई सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालयों की कमी है। जैसे कर्नाटक में लगभग 3,580 सरकारी स्कूलों में शौचालय काम नहीं कर रहे हैं और लगभग 4,000 में हाथ धोने की सुविधाएँ भी नहीं हैं।इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि भारत में अधिकांश स्कूलों ने शौचालयों को उपलब्ध कराया है और उनमें से अधिकतर काम भी कर रहे हैं, लेकिन करीब 5-10% स्कूलों में अभी भी कार्यशील सुविधाओं की कमी और विशेष जरूरतों वाले छात्रों के लिए उपयुक्त सुविधाओं की गंभीर कमी बनी हुई है, जो नीति-निर्माताओं और प्रशासकों के लिए प्राथमिकता का विषय है। हाल फिलहाल,सुप्रीम कोर्ट ने यह बात मानी है कि शौचालयों की कमी, पानी और साबुन की अनुपलब्धता, मासिक धर्म पर सामाजिक चुप्पी और संसाधनों का अभाव लड़कियों की शिक्षा में बड़ी रुकावट हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि इन बाधाओं को दूर करना राज्य की जिम्मेदारी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि मासिक धर्म स्वच्छता तक पहुंच जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है और हर लड़की को सुरक्षित मासिक धर्म प्रबंधन तथा स्वस्थ प्रजनन जीवन का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि माननीय कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह साफ निर्देश दिए हैं कि हर स्कूल चाहे वह ग्रामीण हो या शहरी, सरकारी हो या निजी में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग शौचालय हों, शौचालयों में पर्याप्त पानी, साबुन और कार्यशील हैंडवॉश सुविधा हो, स्कूलों में मानकों के अनुसार ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी नैपकिन मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएं। कोर्ट ने यह बात कही है कि ये पैड स्कूल टॉयलेट या तय स्थान पर आसानी से मिलें, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) कॉर्नर बनाए जाएं, जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त यूनिफॉर्म, इनरवियर और डिस्पोजेबल बैग उपलब्ध हों तथा साथ ही साथ छात्राओं, शिक्षकों और स्कूल स्टाफ को मासिक धर्म और स्वच्छता को लेकर प्रशिक्षण व जागरूकता दी जाए।यह एक कटु सत्य और चिंताजनक है कि आज भी हमारे देश के कई स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालयों की व्यवस्था या तो अपर्याप्त है या अनुपयोगी बनी हुई है।

टैरिफ के बावजूद आर्थिक क्षेत्र में अमेरिका से आगे निकलता शेष विश्व

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बनाए गए थे। वर्ष 2024 में ट्रम्प ने अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव "अमेरिका को पुनः महान बनाएं", नारे के साथ जीता था। वर्ष 2025 का पूरा वर्ष भर पूरे विश्व ने ट्रम्प को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए देखा। लगभग पूरा 2025 का वर्ष ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के आयात पर टैरिफ लगाते हुए बिताया और मित्र देशों सहित कई देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाए। ट्रम्प का सोचना था कि टैरिफ को बढ़ाकर वे अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात को कम करेंगे और इससे अमेरिका में ही इन उत्पादों का उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। ट्रम्प का संभवतः यह सोचना था कि उनका यह प्रयास अमेरिका को महान बनाते हुए शेष विश्व को विपरीत रूप से प्रभावित करेगा। परंतु, वर्ष 2025 में अमेरिका एवं शेष विश्व के आर्थिक क्षेत्र के आंकडें देखने पर ध्यान में आता है कि अमेरिका के मित्र राष्ट्रों सहित विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ का असर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर लगभग नहीं के बराबर पड़ा है। बल्कि, इसका खामियाजा अमेरिका के नागरिकों को भुगतना पड़ा है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है, इससे मुद्रा स्फीति में वृद्धि तेज हुई है एवं अमेरिकी नागरिकों को विभिन्न उत्पादों को बढ़ी हुई कीमतों दरों पर खरीदना पड़ रहा है। अमेरिकी नागरिक पिछले 5 वर्षों की तुलना में आज खाद्य सामग्री पर 30 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे हैं। अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें 22 प्रतिशत से बढ़ चुकी हैं। खाद्य पदार्थों एवं मकान की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर भी 3 से 4 प्रतिशत के बीच बनी हुई है, जो पिछले कई वर्षों की तुलना में बहुत अधिक है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से परेशान हो रहा है अमेरिकी नागरिक, न कि अन्य कोई देश। श्री रुचिर शर्मा, भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक एवं फायनेन्शल टाइम्स के स्तम्भ लेखक, ने अपने एक साक्षात्कार में कई आंकडें दिए हैं, जिनका प्रयोग इस लेख को तैयार करने में किया गया है। अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के पश्चात अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर कम होती हुई दिखाई दे रही है। वर्ष 2024 में अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.8 प्रतिशत की रही थी जो वर्ष 2025 में घटकर 2.1 प्रतिशत हो गई। जबकि वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर दोनों वर्षों, 2024 एवं 2025, में 2.8 प्रतिशत बनी रही है। वर्ष 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में किसी प्रकार की कमी दृष्टिगोचर नहीं हुई है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 में वृद्धि दर, 6.5 प्रतिशत की रही थी, जो वर्ष वर्ष 2025 में बढ़कर 7.2 प्रतिशत की हो गई। वर्ष 2024 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से 52 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही थी जबकि वर्ष 2025 में 76 प्रतिशत देशों की प्रति व्यक्ति सकल उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका की तुलना में अधिक रही है। वर्ष 2025 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक विकास दर तेज गति बढ़ती हुई पाई गई है। इस प्रकार, अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ के बावजूद शेष विश्व में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर अमेरिका से अधिक रही है। इस प्रकार अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का प्रभाव अन्य देशों के विकास पर विपरीत रूप से नहीं पड़ा है। अमेरिका के पूंजी (शेयर) बाजार में भी वर्ष 2025 में निवेशकों को अपने निवेश पर कम आय प्राप्त हुई है। अमेरिका में निवेशकों द्वारा पूंजी (शेयर) बाजार में किए गए निवेश पर 18 प्रतिशत की आय का अर्जन हुआ है। जबकि, यूरोप में निवेशकों को 35 प्रतिशत, उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में निवेशकों को 34 प्रतिशत, अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व में निवेशकों को 32 प्रतिशत एवं चीन में निवेशकों को 31 प्रतिशत की आय अर्जित हुई है। इस प्रकार, अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में पूंजी (शेयर) बाजार में निवेशकों को लगभग दुगनी आय अर्जित हुई है। अमेरिकी नागरिकों का पूंजी (शेयर) बाजार में निवेश तुलनात्मक रूप से अधिक है। अमेरिकी नागरिकों का जायदाद में निवेश 30 प्रतिशत है जबकि शेयर बाजार में 32 प्रतिशत निवेश है। चीन के नागरिकों का जायदाद में निवेश 55 प्रतिशत एवं शेयर बाजार में निवेश केवल 11 प्रतिशत है। इसी प्रकार, यूरोप के नागरिकों का निवेश क्रमशः 57 प्रतिशत एवं 16 प्रतिशत है। भारतीय नागरिकों के निवेश क्रमशः 50 प्रतिशत एवं 7 प्रतिशत है। अमेरिका द्वारा अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ के चलते अमेरिका का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के सकल घरेलू उत्पाद के 6.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 6 प्रतिशत हो गया है। एक रीसर्च प्रतिवेदन में यह तथ्य उभरकर भी सामने आया है कि टैरिफ के कारण अमेरिका में उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हुई है एवं टैरिफ का लगभग 96 प्रतिशत भाग अमेरिकी नागरिकों द्वारा वहन किया गया है। इसके कारण अन्य देशों से अमेरिका को निर्यात कम नहीं हुए हैं। यूरोप का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 3.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 3.2 प्रतिशत हो गया है। उभर रही अर्थव्यवस्थाओं का राजकोषीय घाटा वर्ष 2024 के 4.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत हो गया है। पूर्व में विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा लगभग 3 प्रतिशत तक रहता आया है जबकि वर्तमान परिस्थितियों के मध्य, विभिन्न देशों का राजकोषीय घाटा बढ़ते हुए 6 प्रतिशत के स्तर तक रहने लगा है। यह स्थिति वित्तीय क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। वर्ष 2025 में विदेशी व्यापार में वृद्धि दर भी अमेरिका की तुलना में अन्य देशों में अधिक रही है। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व के निर्यात में वर्ष 2019 से 2024 के दौरान औसत 5 प्रतिशत की वृद्धि रही थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6.4 प्रतिशत की हो गई है। जबकि अमेरिका से निर्यात में वृद्धि दर इसी अवधि के दौरान 4.6 प्रतिशत से गिरकर 4.1 प्रतिशत रह गई है। टैरिफ का अमेरिका से अन्य देशों को होने वाले निर्यात पर विपरीत प्रभाव पड़ा है जबकि अन्य देशों ने आपस में नए बाजारों की तलाश करते हुए अपने विदेशी व्यापार, विशेष रूप से निर्यात, में वृद्धि दर्ज की है।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अंदर अध्यात्म के प्रति लगाव उत्पन होगा। आप अपने ज्ञान और कार्य कौशल पर अधिक काम कर पायेंगे। आपके व्यापार में ग्रोथ होने की संभावना बढ़ेगी। आप किसी भी नई जिम्मेदारी को बेहतरीन तरीके से निभाएंगे। किन्हीं कारणों से खर्च बढ़ेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। अपने आपको साबित करने का मौका मिलेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जातक अच्छी सफलता पायेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी रहेगी। पैसे संबंधी मामलों में किसी अन्य पर विश्वास करने से बचें।

मिथुन राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आपकी रचनात्मक समझ बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में आप सक्रिय नजर आएंगे। मांगलिक कार्यों में खर्च होने के योग हैं। आपको आपके व्यवसाय में बड़े सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। जिससे आपको अच्छे धन लाभ की संभावना बढ़ेगी। इस दौरान डील करने से पहले अच्छे से विचार कर लें। दोस्तों या परिवार के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। आप फाइनेंस से जुड़े बड़े निर्णय ले सकते हैं। सौन्दर्य प्रसाधन का कारोबार करने वाले लोगों को बड़ा आर्डर मिलेगा। आप कार्य क्षेत्र और घर के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जायेंगे।

सिंह राशि : आज आप फिट और उत्साहित महसूस करेंगे। कुछ बड़े आर्डर मिलने से आपका व्यापार बढ़ेगा। आपके इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपको शुभ समाचार मिलने के योग हैं। सरकारी जॉब मिलने की संभावना है। आपको आपके सीनियर्स का साथ मिलेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी। आपके कलीग्स कुछ समस्याएं खड़ी कर सकते हैं।

कन्या राशि : आज आपको बेहतर अवसर मिलेंगे। आपको नौकरी में अच्छे अवसर के साथ बदलाव के योग हैं। व्यापारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए दिन अच्छा है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए ऑफर मिल सकता है।

तुला राशि : आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों में कमी आएगी पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा। आज आपको आपकी काबिलियत से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। नौकरी में बदलाव के योग हैं। आपका आत्मविश्वाश बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। एक से अधिक स्त्रोतों से धन लाभ की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में प्रगाढ़ता आएगी, आपसी तालमेल बना रहेगा।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। इस दौरान आमदनी के साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। संतान की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। यह संतान के विवाह संबंधी भी हो सकती है। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आज आप ऑफिस में होने वाली राजनीति से दूर रहे। धन से जुड़े मामलों में आज जीवनसाथी का साथ मिलेगा।

धनु राशि: आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको खास उपलब्धि मिलेगी। आपके सोचने समझने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान आपको आलस से बचना होगा। साझेदारी में काम कर रहे व्यापारियों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज आपका उत्साह बढ़ेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के सहयोग से अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे। आज घर में बेटी की तरक्की से परिवार का माहौल ख़ुशी से भरा रहेगा। फार्मिंग का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। सामाजिक व राजनीतिक कामों में आपका मन लगेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके दाम्पत्य रिश्ते में सुधार आएगा। जीवनसाथी के लिए पसंदीदा उपहार खरीदेंगे। आज आप कहीं बाहर घूमने जा सकते है जहाँ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके अन्दर कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज आपके व्यवहार से पारिवारिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज धन लाभ के साथ-साथ खर्चें भी बढ़ेंगे। आज ऑफिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। आप संयम के साथ परेशानी से बाहर निकल पाएंगे। आपको अचानक धन लाभ होने के योग हैं। आज आप अपने पारिवारिक जीवन में आनंद महसूस करेंगे। इस दौरान आप अपने को शांत रखने की कोशिश करेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सुरेश रैना बोले- संजू सैमसन तोड़ सकते हैं मेरा रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

टी20 विश्व कप इतिहास में भारत की ओर से अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज ने शतक लगाया है सुरेश रैना। 2007 से 2024 तक खेले गए नौ संस्करणों में कोई भी दूसरा भारतीय खिलाड़ी इस उपलब्धि को हासिल नहीं कर पाया। 2010 वर्ल्ड कप में रैना ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 101 रनों की यादगार पारी खेली थी, जो आज भी भारतीय टी20 इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। हाल ही में सुरेश रैना ने खुलासा किया कि उनका मानना है कि आने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उनका यह रिकॉर्ड कौन भारतीय बल्लेबाज तोड़ सकता है। हैरानी की बात यह है कि रैना का जवाब वह नाम है जो फिलहाल बेहद खराब फॉर्म से जूझ रहा है संजू सैमसन। रैना का कहना है कि सैमसन में बड़ा स्कोर खेलने की प्रतिभा, तकनीक और विस्फोटक क्षमता है। उनके अनुसार, अगर सैमसन को सही मौका और टीम का समर्थन मिला, तो वह आसानी से किसी भी बड़े प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मैच बदलने वाली पारी खेल सकते हैं और भारतीय टीम की ओर से टी20 विश्व कप में दूसरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। रैना ने कहा कि सैमसन की बैटिंग स्टाइल उन्हें बड़े टूर्नामेंटों के लिए उपयुक्त बनाती है। उनका मानना है कि संजू में वह नैचुरल फ्लो और पॉवर हिटिंग है, जिसके दम पर वे 2026 विश्व कप में धमाका कर सकते हैं। हालांकि रैना ने यह भी माना कि इसके लिए सैमसन को टीम मैनेजमेंट का भरोसा और लगातार मौका मिलना बेहद जरूरी है। हालांकि, वर्तमान फॉर्म को देखते हुए संजू सैमसन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में वह बुरी तरह फ्लॉप रहे हैं। शुरुआती तीन मुकाबलों में वह सस्ते में आउट हुए, जबकि चौथे मैच में कुछ अच्छे शॉट खेलने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सके। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम मैनेजमेंट सैमसन को आगे के मैचों में मौका देता है या फिर उन्हें बाहर बैठाने का फैसला लेता है। उनकी कमजोर प्रदर्शन को लेकर भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल भी खुलकर सवाल उठा चुके हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या संजू सैमसन रैना के भरोसे को सही साबित कर पाएंगे और 2026 टी20 विश्व कप में भारत की ओर से दूसरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनेंगे।

एक सितारा ऐसा भी... 12 दिन का रहा जिसका अंतरराष्ट्रीय करियर

एजेंसी, नई दिल्ली

अंतिम वनडे में ली हैट्रिक, फिर नहीं मिला खेलने का मौका

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। इस खेल में जब तक आखिरी गेंद फेंकी नहीं जाती, तब तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता। इस खेल से कई खिलाड़ी रातोंरात करोड़पति बन गए तो कइयों को मौके मिले लेकिन वह खुद को स्थापित नहीं कर सके। कई खिलाड़ी ऐसे भी रहे जिन्होंने अपने आखिरी मैच में शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन इसके बाद वह टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मध्यम गति के तेज गेंदबाज एंथनी स्टुअर्ट भी उन्हीं खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने अपने आखिरी मैच में चमक बिखेरी लेकिन दोबार वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सके। महज 12 दिन में स्टुअर्ट का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर खत्म हो गया। लंबे कद के तेज गेंदबाज एंथनी स्टुअर्ट न्यू साउथ वेल्स की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते थे। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अपने आखिरी वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में 5 विकेट चटकाए जिसमें हैट्रिक भी शमिल था। साथ ही उन्होंने फील्डिंग में भी कमाल का प्रदर्शन करते हुए दो कैच लपके। उन्हें उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। लेकिन इस बदकिस्मत खिलाड़ी को इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका नहीं मिला। 5 जनवरी 1997 को वेस्टइंडीज के खिलाफ ब्रिस्बेन में वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत करने वाले एंथनी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 16 जनवरी 1997 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला।

स्टुअर्ट एंथनी ने लारा को भेजा था पवेलियन- एंथनी स्टुअर्ट ने घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में जगह बनाई थी। 27वें बर्थडे के तीन दिन बाद एंथनी को वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत करने का मौका मिला। डेब्यू वनडे में एंथनी ने शानदार गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ा। उन्होंने 10 ओवर में 48 रन देकर 2 विकेट चटकाए। एंथनी ने ब्रायन लारा जैसे दिग्गज बल्लेबाज को भी अपना शिकार बनाया था।

पाकिस्तान के खिलाफ खेला दूसरा मैच- एंथनी स्टुअर्ट ने 7 जनवरी 1997 को पाकिस्तान के खिलाफ अपने दूसरे मैच में 10 ओवर के कोटे में 35 रन देकर एक विकेट लिया।इसके अलावा उन्होंने दो रन आउट में भी अपना योगदान दिया था। 16 जनवरी को उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली। तब स्टुअर्ट ने 5 विकेट लिए जिसमें हैट्रिक भी शामिल था। साथ ही उन्होंने इस मैच में तीन कैच लेकर छाप छोड़ा। इस मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी और फील्डिंग के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह वनडे में हैट्रिक लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बने थे। तब उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्रूस रीड ने वनडे में लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट चटकाए थे।

स्टुअर्ट एंथनी का क्रिकेट करियर- एंथनी स्टुअर्ट ने 3 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8 विकेट चटकाए जिसमें उनकी गेंदबाजी इकोनोमी 3.63 रही। 26 फर्स्ट क्लास मैचों में एंथनी ने 70 विकेट चटकाए जबकि लिस्ट ए के 27 मैचों में 45 विकेट उनके नाम है।

टाटा स्टील मास्टर्स : अब्दुसत्तोरोव बने एकमात्र लीडर, अंतिम से पहले राउंड में सभी भारतीयों के मुकाबले ड्रॉ

एजेंसी, वाइक आन ज़ी, नीदरलैंड्स

उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने टाटा स्टील मास्टर्स-2026 के अंतिम से पहले राउंड के बाद एकल बढ़त हासिल कर ली है। शनिवार को खेले गए मुकाबलों में सभी चार भारतीय खिलाड़ियों को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। 14 खिलाड़ियों के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 12वें राउंड में अब्दुसत्तोरोव ने जर्मनी के मैटियास ब्लूबाउम को हराकर आठ अंक पूरे किए और तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। उनके हमवतन और फिडे वर्ल्ड कप विजेता जावोखिर सिंदारोव दूसरे स्थान पर हैं। सिंदारोव ने मौजूदा चैंपियन आर. प्रज्ञानानंदा के खिलाफ ड्रॉ खेला और वे अब्दुसत्तोरोव से आधा अंक पीछे हैं। विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने अमेरिका के हैंस नीमन के खिलाफ ड्रॉ खेला। अन्य भारतीय खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी और अरविंद चिथंबारम को भी अपने-अपने मुकाबलों में बराबरी से संतोष करना पड़ा। अर्जुन का मुकाबला डच खिलाड़ी जोर्डन वान फॉरेस्ट से ड्रॉ रहा, जबकि अरविंद ने अनीश गिरी के खिलाफ अंक साझा किए। जर्मनी के विंसेंट कीमर ने चेक गणराज्य के थाई दाई वान गुयेन को हराकर सात अंक पूरे किए और वान फॉरेस्ट तथा नीमन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। अंक तालिका में गुकेश छह अंकों के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं। प्रज्ञानानंद पांच अंकों के साथ 11वें स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी और अरविंद चिथंबारम 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे आखिरी स्थान पर बने हुए हैं। रविवार को होने वाले अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी का सामना लीडर अब्दुसत्तोरोव से होगा। प्रज्ञानानंद का मुकाबला वान फॉरेस्ट से, गुकेश का सामना विंसेंट कीमर से और अरविंद चिथंबारम रूस के व्लादिमीर फेडोसेएव से होगा।

रायबाकिना ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता

एजेंसी, मेलबर्न

कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस खिताब जीता है। रायबाकिना ने महिला एकल के खिताबी मुकाबले में बेलारुस की आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। दोनो खिलाड़ियों के बीच ये मुकाबला करीब सवा 2 घंटे तक चला। वहीं पिछले सत्र में कजाकिस्तान की खिलाड़ी किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में नहीं पहुंचीं थीं। इससे पहले रायबाकिना ने साल 2022 में विंबलडन खिताब जीता था। इस बार मुकाबले में रायबाकिना ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 6-4 से जीता। इसके बाद सबालेंका के शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा सेट जीतकर वापसी की। वहीं तीसरे सेट में कड़े संघर्ष के बाद कजाकिस्तान की खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। सबालेंका ने तीसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद अपनी सर्विस होल्ड की और चेंजओवर से पहले 3-0 की बढ़त बना ली। वहीं इसके बाद रायबाकिना ने सबालेंका की सर्विस तोड़कर अच्छी वापसी कर स्कोर 3-3 से बराबर करने के बाद सर्विस गेम में ब्रेक अंक का सामना करने के बाद अपना तीसरा ब्रेक हासिल किया। वहीं अंतिम। आखिरी गेम में उन्होंने ऐस लगाकर मुकाबला जीत लिया। इसी के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्हें इनामी राशि के तौर पर 2.75 मिलियन डॉलर (लगभग 25 करोड़ 21 लाख भारतीय रुपए) मिले। इससे पहले साल 2022 में विंबलडन खिताब जीतकर वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं।

देविका सिहाग ने जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब, ऐसा करने वाली बनी तीसरी भारतीय महिला

एजेंसी, बैंकॉक

भारत की उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी देविका सिहाग ने इतिहास रचते हुए रविवार को 2.50 लाख डॉलर इनामी टूर्नामेंट थाईलैंड मास्टर्स जीतकर अपना पहला वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब जीता। इसके साथ ही वह पी.वी. सिंधु और साइना नेहवाल के बाद सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गईं। 20 वर्षीय गैरवरीय देविका फाइनल मुकाबले में कोरिया की गोह जिन वेई के खिलाफ शानदार लय में थीं। वह पहला गेम 21-8 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 6-3 से आगे चल रही थीं, तभी चोट के कारण गोह जिन वेई को मुकाबले से हटना पड़ा और देविका को विजेता घोषित किया गया। देविका की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु ने भी उन्हें बधाई दी। सिंधु ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि जब मेरे ट्रेनिंग पार्टनर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो मुझे बेहद खुशी होती है। देविका मेरे और कोच इरवांस्याह के साथ बेंगलुरु में ट्रेनिंग करती हैं। उनकी मेहनत और समर्पण को मैंने बेहद करीब से देखा है। उनकी यह जीत अनुशासन, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास का परिणाम है। मुझे उन पर गर्व है। देविका सिहाग का करियर लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अगस्त 2025 में मलेशिया इंटरनेशनल जीतकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब हासिल किया था। इसके अलावा उन्होंने 2025 वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में भारत को मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। पिछले सत्र में भी देविका का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। वह इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहीं और चार फाइनल मुकाबलों तक पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने स्वीडिश ओपन और पुर्तगाल इंटरनेशनल के खिताब जीते, जबकि एस्टोनियन इंटरनेशनल और डच इंटरनेशनल में दूसरे स्थान पर रहीं। देविका की यह जीत न सिर्फ उनके करियर की बड़ी उपलब्धि है, बल्कि भारतीय महिला बैडमिंटन के लिए भी एक और गौरवपूर्ण क्षण है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में गिरावट के बाद सुधरा शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

नई दिल्ली। आम बजट पेश होने वाले दिन आज घरेलू शेयर बाजार शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट के बाद रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। हालांकि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की मजबूती कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से नेस्ले, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईटीसी के शेयर 3.46 प्रतिशत से लेकर 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, कोल इंडिया ओएनजीसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 6 प्रतिशत से लेकर 2.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार

में स्टॉक मार्केट में 2,899 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,661 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,238 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 17 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 119.19 अंक की मजबूती के साथ 82,388.97 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 82,119.31 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स उछल कर 82,499.50 अंक के स्तर पर आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 55.59 अंक की तेजी के साथ 82,325.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 13.10 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,333.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही ये सूचकांक लाल निशान में 25,252.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे निफ्टी की स्थिति में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,346.85 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 14.50 अंक की मामूली उछाल के साथ 25,335.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

शुरुआती कारोबार में हाजिर सोना 8,610 रुपये तक टूटा, चांदी में 37 हजार की गिरावट

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी के भाव में लगातार आ रही गिरावट के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज के कारोबार में हाजिर 7,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 8,610 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। इसी तरह चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार में 37,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट नजर आ रही है। सोने के भाव में आई इस जोरदार गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,60,580 रुपये से लेकर 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,47,200 रुपये से लेकर 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में आई कमजोरी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु 3,13,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,60,730 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,60,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,47,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,60,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,47,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में जोरदार गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,60,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,47,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सकल जीएसटी संग्रह जनवरी में 6.2 फीसदी बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह जनवरी महीने में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर 6.2 फीसदी बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जीएसटी महानिदेशालय ने रविवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जनवरी में शुद्ध माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह में 7.6 फीसदी की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, कुल 'रिफंड' में 3.1 फीसदी की गिरावट आई, यह 22,665 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी में घरेलू लेन-देन से सकल कर संग्रह 4.8 फीसदी बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात राजस्व 10.1 फीसदी बढ़कर 52,253 करोड़ रुपये रहा। वहीं, इस दौरान तंबाकू उत्पादों से उपकर संग्रह जनवरी में 5,768

करोड़ रुपये रहा। जनवरी, 2025 में यह 13,009 करोड़ रुपये रहा था, जब कार तथा तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं, जिससे सामान सस्ता हो गया। साथ ही, पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है।

महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलिंडर, घरेलू सिलिंडर की कीमत में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने आज से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मतलब रसोई गैस की कीमत में की गई बढ़ोतरी से घर के किचन के बजट पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 49 रुपये से लेकर 50 रुपये तक बढ़ा दी गई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक कीमत में की गई बढ़ोतरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1691.50 रुपये से बढ़ कर 1740.50रुपये हो गई है। ताजा कटौती में कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर के दामों में 49.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब यहां 19 किलो का सिलेंडर 1,844.50 रुपये में मिल रहा है, जबकि पिछले महीने जनवरी में इसका रेट 1,795 रुपये था। इसके अलावा, मुंबई में 19 किलो एलपीजी सिलेंडर का नया रेट 49.50 रुपये बढ़ कर 1,692 रुपये हो गया है, जो पिछले महीने जनवरी में 1,642.50 रुपये था। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 50 रुपये बढ़ा कर 1,849.50 से 1,899.50 रुपये तय की गई है। आज सिर्फ कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में ही कटौती हुई है। घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो

के एलपीजी सिलेंडर (रसोई गैस) की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू उपयोग वाले सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार 8 अप्रैल 2025 को बदलाव हुआ था। दिल्ली में इसकी कीमत अभी 853 रुपये है। इसी तरह कोलकाता में 879 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये, चेन्नई में 868.50 रुपये, लखनऊ में 890.50 रुपये, अहमदाबाद में 860 रुपये, हैदराबाद में 905 रुपये, वाराणसी में 916.50 रुपये और पटना में 951 रुपये है। जानकारों का कहना है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत हर महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमत और टैक्स स्ट्रक्चर के आधार पर तय की जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमत बढ़ाने या घटना का सीधा असर ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की लागत पर भी पड़ता है। इसीलिए हर महीने की पहली तारीख को लागत की समीक्षा करके गैस सिलेंडर के नए दाम का ऐलान किया जाता है। बताया जा रहा है कि जनवरी के महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्राकृतिक गैस की कीमत में तेजी का रुख बना है। इसीलिए आज फरवरी के महीने के लिए कमर्शियल गैस की कीमत में कटौती करने का फैसला लिया गया है।

यूपीआई लेन-देन जनवरी महीने में 28.33 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाला लेन-देन जनवरी में 28.33 लाख करोड़ रुपये के मूल्य और 21.70 अरब की संख्या के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से रविवार को जारी की गई आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। एनपीसीआई के मुताबिक दिसंबर 2025 में यूपीआई के जरिए लेन-देन का मूल्य 27.97 लाख करोड़ रुपये रहा था। मासिक आधार पर लेन-देन के मूल्य में 21 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में औसत दैनिक लेनदेन 70 करोड़ रहा जिसका

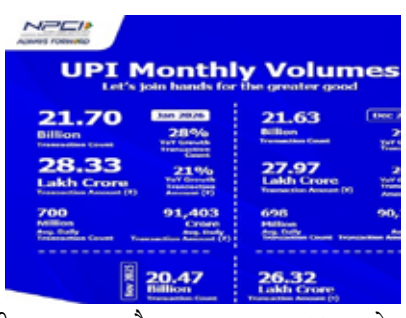

औसत मूल्य 91,403 करोड़ रुपये था। वर्ल्डलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रमेश नरसिम्हन ने में कहा कि यूपीआई की वृद्धि की गति लगातार मजबूत हो रही है। केवल जनवरी में भारतीयों ने 28.33 लाख करोड़ रुपये के 21.7 अरब यूपीआई लेनदेन किए, जो दिसंबर की तुलना में ज्यादा है, जो सालाना आधार पर 28 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्शाता है।

इन सिने-मेकर्स की इस वर्ष रहेगी धूम

बीते साल २०२५ में तमाम बड़े बजट की एक्शन फिल्मों, दिल छू लेने वाली कहानियों और ड्रामा-कॉमेडी सिनेमा ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म 'सैयारा', आदित्य धर की 'धुरंधर' और ऋषभ शेट्टी की खालिस एक्शन और कौतूहल से भरपूर 'कांतारा चैप्टर 1' जैसी फिल्मों ने दर्शकों की नब्ज को थामे रखा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि पिछला साल इंडियन सिनेमा के लिए शानदार रहा। पिछले साल की तरह अब साल २०२६ में एस.एस. राजामौली, करण जौहर से लेकर संदीप रेड्डी वांगा तक कई फिल्म मेकर्स कॉमेडी, रोमांस और जबरदस्त एक्शन जॉनर वाले धमाकेदार प्रोजेक्ट्स लेकर आ रहे हैं।

करण जौहर

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस इस साल विवेक सोनी निर्देशित अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी के मुख्य भूमिका वाली रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी। इसके अलावा खुद करण जौहर एक बड़े पैमाने पर फैमिली ड्रामा 'कभी खुशी कभी गम 2' के साथ निर्देशन में वापसी करने जा रहे हैं।

मृगदीप सिंह लांबा

निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा की 14 अगस्त को सिनेमाघरों में आने वाली सुपरनैचुरल फैंटेसी कॉमेडी 'नागजिला' में कार्तिक आर्यन एक इच्छाधारी सांप की भूमिका निभा रहे हैं।

आदित्य धर

'धुरंधर' (2025) की अपार सफलता के बाद आदित्य धर अब 'धुरंधर 2' लेकर आ रहे हैं। 19 मार्च को रिलीज होने वाली इस फिल्म में एक बार फिर रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में होंगे।

एस.एस. राजामौली

साउथ के सबसे ज्यादा कामयाब डायरैक्टर एस.एस. राजामौली महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्म 'वाराणसी' लेकर आ रहे हैं। फिल्म के इसी साल रिलीज होने की उम्मीद की जा रही है।

नितेश तिवारी

नितेश तिवारी पैन-इंडिया फिल्म 'रामायण' के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की तैयारी में हैं। रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल स्टारर यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिद्धार्थ आनंद

सिद्धार्थ आनंद, शाहरुख खान के साथ बड़े एक्शन ड्रामा वाली फिल्म 'किंग' लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह बना हुआ है।

संदीप रेड्डी वांगा

इसके अलावा संदीप रेड्डी वांगा, प्रभास के साथ इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म 'स्पिरिट' बना रहे हैं। 'स्पिरिट' के बाद वह रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू करेंगे।

मैंने कोई प्लानिंग नहीं की: मिथिला पालकर

'लिटिल थिंग्स', 'कारवां', 'चॉपस्टिक्स' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने बातचीत के दौरान अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया।

अभिनेत्री मिथिला ने कहा, 'मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनैट क्या कर देगा 10 साल पहले, हम सभी इंटरनैट पर बस शुरु आत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनैट इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमैंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।'

मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी।

उन्होंने कहा, 'मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए।

उसके बाद, लिटिल थिंग्स मिला, गर्ल इन द सिटी किया। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।'

करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई, लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।'

जन्म तिथि
11 जनवरी, 1993

जन्मस्थान
मुम्बई, महाराष्ट्र

सैनिक की पत्नी का रोल करना एक अलग अनुभव CHITRANGADA

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया।

एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी, लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था, लेकिन एक आर्मी अफसर की पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया।' चित्रांगदा ने आगे कहा, 'ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।'

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी। 'बैटल ऑफ गलवान' 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं साई पल्लवी

साई पल्लवी साउथ की उन शानदार एक्ट्रेसों में से एक हैं जो अपनी अनोखी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग की बदौलत दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। वह अपनी नैचुरल ब्यूटी और नो-मेकअप लुक के लिए मशहूर हैं। फिल्मों में उनका सादगीभरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आता है। अपने काम के साथ-साथ साई अपने लुक्स को लेकर हमेशा चर्चाओं में बनी रहती हैं। साई पल्लवी स्क्रीन लाइफ की तरह रियल लाइफ में भी नो मेकअप पॉलिसी के साथ नजर आती हैं। कहा जाता है कि फिल्म प्रेमम के डायरैक्टर अल्फोंस पुथरेन ने पहली बार साई को बिना मेकअप दिखने के लिए प्रोत्साहित किया था। परिणाम पक्ष में आने के बाद साई ने इसे अपनी पॉलिसी बना लिया। साई पल्लवी की खूबसूरती की तरह उनकी डांसिंग स्किल्स भी लाजवाब हैं। उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म प्रेमम (2015) के डांस सीक्वेंस खुद कोरियाग्राफ किए थे।

9 मई 1992 को तमिलनाडु के कोयम्बटूर के कोटागिरी गांव में एक बडगा आदिवासी परिवार में पैदा हुईं साई पल्लवी एक्ट्रेस नहीं बल्कि एक डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। इसी वजह से एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई के दौरान उन्हें मलयालम फिल्म प्रेमम (2015) का ऑफर मिला, जो उनकी डेब्यू फिल्म बनी। साई की यह पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया हालांकि एक्टिंग के साथ-साथ उन्होंने अपना एमबीबीएस भी कम्पलीट किया। प्रेमम (2015) के बाद अभिनेत्री अपने करियर में तेलुगू, तमिल और मलयालम सिनेमा में कई बड़े स्टार के साथ फिदा (2017), मिडल क्लास अभय (2017), मारी 2 (2018), अथिरन (2019), लव स्टोरी (2021), श्याम सिंह रॉय (2021), अमरण (2024) और थंडेल (2025) जैसी कई बेहतरीन हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

साल 2026 और साल 2027 में साई पल्लवी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने की पूरी तैयारी कर ली है। दरअसल उनकी कई धमाकेदार फिल्में लाइन से रिलीज होने वाली हैं। साई, आमिर खान के बेटे जुनैद खान संग सुनील पांडे द्वारा निर्देशित हिंदी रोमांटिक कॉमेडी 'एक दिन' में नजर आएंगी। इस फिल्म को साल 2025 में 'मेरे रहो' शीर्षक से रिलीज किया जाने वाला था, लेकिन फिर इसकी रिलीज को किसी वजह से टाल दिया गया। अब यह फिल्म इस साल 1 मई को 'एक दिन' टाइटल के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के जरिए साई पल्लवी बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और दंगल फेम निर्देशक नितेश तिवारी निर्देशित रणबीर कपूर स्टारर दो पार्ट में बन रही माइथोलॉजिकल एपिक फिल्म 'रामायण' में साई पल्लवी 'सीता' का किरदार निभा रही हैं। फिल्म रामायण का पहला पार्ट इस साल दीपावली पर और दूसरा पार्ट साल 2027 की दीपावली पर थिएटर्स में दस्तक देगा। गौतम तिन्ननुरी द्वारा निर्देशित एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक में साई आइकॉनिक सिंगर का किरदार निभाने वाली हैं। यह उनके करियर के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण प्रोजेक्ट होने की उम्मीद की जा रही है।

अपने लिए स्टैंड लें तो बहुत कुछ कर सकती हैं महिलाएं: युविका

एक्ट्रेस युविका चौधरी 01 फरवरी यानि कि आज से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'द 50' में नजर आएंगी, उन्होंने रियलिटी शो में महिलाओं के साथ होने वाले दोहरे मापदंडों पर खुलकर बात की। जहां अक्सर उनकी भावनाओं को गलत या कमजोर समझा जाता है। इस धारणा पर प्रतिक्रिया देते हुए कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अपनी कमजोरी या भावनाएं दिखाने पर ज्यादा सख्ती से जज किया जाता है, युविका ने कहा कि जब महिलाएं पूरे विश्वास के साथ गेम में उतरती हैं, तो वे एक ऐसी ताकत बन जाती हैं, जिसे कोई रोक नहीं सकता और वे शानदार प्रस्तुति देती हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, 'जब कोई महिला सच में खेलती है, तो किसी और के लिए कोई जगह नहीं बचती। अगर महिलाएं पूरी तरह से गेम में उतरती हैं, तो कोई उनके सामने खड़ा नहीं हो सकता, वे इतनी मजबूत होती हैं।'

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह अपनी इस यात्रा को अपनी व्यक्तिगत भागीदारी से कहीं ज्यादा देखती हैं। युविका ने बताया, 'मुझे ऐसा ही लगता है। मैं यहां सभी महिलाओं को रिप्रेज़ेंट करने और दुनिया को यह दिखाने आई हूं कि हम सब बहुत कुछ कर सकती हैं। बस अपने लिए स्टैंड लो।' युविका 'ओम शांति ओम' और 'तो बात पक्की!' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। साल 2009 में वह कन्नड़ फिल्म मलयाली जोतयाली में गणेश के साथ लीड रोल में भी काम कर चुकी हैं। साल 2015 में वह रियलिटी शो बिग बॉस 9 में कंटेस्टैंट थीं और 2019 में उन्होंने पति प्रिंस नरूला के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 में हिस्सा लिया था। उन्हें पिछली बार अंकुश भट्ट निर्देशित साइबर वॉर में देखा गया था। इसमें मोहित मलिक और सनाया ईरानी भी उनके साथ लीड रोल में थे।

युविका नच बलिए के बाद एक बार फिर से पति के साथ रियलिटी शो में नजर आएंगी। युविका की प्रिंस से मुलाकात बिग बॉस 9 के सैट पर हुई थी। प्रिंस ने साल 2018 में उन्हें प्रपोज किया और उनकी सगाई हो गई। फिर उसी वर्ष दोनों ने मुंबई में शादी की। उनकी एक बेटी है। बनिजय एशिया के रियलिटी शो 'द 50' जल्द ही जियो हॉटस्टार और कलर्स पर स्ट्रीम होने वाला, द 50 में युविका चौधरी, प्रिंस नरूला के साथ रिद्धि डोगरा, करण पटेल, मिस्टर फैजू, मोनालिसा, विक्रांत सिंह, दिव्या अग्रवाल, शाइनी दोशी, दुष्यंत कुकरेजा, शिव ठाकरे, नीलम गिरी, डिंपल सिंह, चाहत पांडे, हामिद बार्कजी, सुमायरा शेख, लवकेश कटारिया, नेहल चुडासमा, सपना चौधरी, निक्की तंबोली, अरबाज पटेल, वंशज सिंह, कृष्णा श्रॉफ समेत अन्य सितारे नजर आएंगे।

'तू या मैं' में होंगी पारुल गुलाटी

बॉलीवुड अभिनेत्री पारुल गुलाटी, आनंद एल. राय की फिल्म 'तू या मैं' में दमदार किरदार में नजर आएंगी। पारुल गुलाटी इस फिल्म में शानाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लायरा के रूप में हैं। यह किरदार पहले ही चर्चित डायलॉग 'तू येडि हो गई है क्या रे बच्ची' की वजह से दर्शकों के बीच चर्चा में है। कहानी में पारुल का रोल बेहद महत्वपूर्ण है, जो फिल्म में भावनात्मक गहराई, अपनापन और वास्तविकता जोड़ता है।

अपने किरदार और आनंद एल. राय की अनोखी 'क्रिएचर वर्ल्ड' का हिस्सा बनने को लेकर पारुल ने भावुक अंदाज में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 'मैं सच में बहुत खुश हूं और अभी भी इसे पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं।' पारुल, शानाया का साथ देती है, सवाल उठाती है, उसे सपोर्ट करती है और बेहद रियल है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की एक मजबूत इमोशनल एंकर है।

पारुल ने कहा, 'एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलैबोरेशन है। आनंद एल. राय की दुनिया बहुत थिएट्रिकल, लेयर्ड और भावनाओं से भरपूर है। यह उसी तरह का सिनेमा है जिसे मैं हमेशा से पसंद करती आई हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मैं खुद को बार-बार पिंच कर रही हूं क्योंकि ऐसा लगता है जैसे यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका है, एक ऐसी बिग-स्क्रीन फिल्म का हिस्सा बनने का जो जितनी भव्य है, उतनी ही दिल से जुड़ी हुई भी है।' मेकर्स के प्रति आभार जताते हुए उन्होंने आगे कहा, 'मैं पूरी टीम की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस रोल के लिए चुना और लायरा जैसा किरदार निभाने का भरोसा मुझ पर किया। मैं बहुत खुश हूं, बहुत आभारी हूं।'

दैनिक सवेरा

MOVIE REVIEW

-फरीद शेख

मर्दानी 3 ★★★★

कलाकार: रानी मुखर्जी, जानकी बोदीवाला, मल्लिका प्रसाद आदि।
निर्देशक: अभिराज मीणावाला।
निर्माता: आदित्य चोपड़ा

मर्दानी 3 में एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय (रानी मुखर्जी) की कहानी दिखाई गई है, जो एक निडर और तेज़ पुलिस ऑफिसर है। इस बार मामला ज़्यादा गंभीर और पर्सनल है - वह एक ऐसे पॉवरफुल क्राइम नैटवर्क से निपट रही है, जो सबसे कमज़ोर लोगों को निशाना बनाता है और इज्ज़तदार होने का दिखावा करता है।

शिवानी सिर्फ अपराधियों का पीछा नहीं कर रही है; वह एक ऐसे सिस्टम से लड़ रही है, जो उन्हें बचाता है। कहानी में क्राइम इन्वैस्टिगेशन, इमोशनल दांव और सामाजिक सच्चाई का मिश्रण है, जो दिखाता है कि कैसे एक दृढ़ निश्चयी महिला बुराई के पूरे नैटवर्क को हिला सकती है।

पहला हाफ दमदार: क्रिटिक्स का कहना है कि शुरुआती हाफ दिलचस्प और पॉवरफुल है, जिसमें कहानी की शुरुआत जबरदस्त है और रानी की स्क्रीन प्रेजेंस भी शानदार है।

रानी की परफॉर्मैंस: दर्शक अक्सर रानी मुखर्जी को फिल्म की जान बताते हैं- उनकी एक्टिंग को इस फ्रैंचाइजी में उनकी सबसे अच्छी परफॉर्मैंस में से एक माना जाता है।

रानी मुखर्जी की परफॉर्मैंस: इंटैंस, कंट्रोल्ड और पॉवरफुल। वह शिवानी के किरदार में ताकत और इमोशनल गहराई दोनों लाती हैं।

मर्दानी 3 एक दमदार क्राइम थ्रिलर है, जो कमर्शियल मसाले से ज़्यादा सच्चाई और न्याय पर फोकस करती है। यह फ्रैंचाइजी की भावना को ज़िंदा रखती है- बोल्ड, बहादुर और सामाजिक रूप से प्रासंगिक। मर्दानी 3 को उसका डार्क किनारा एक ऐसे विलेन से मिलता है जिसका परफॉर्मैंस जितना खतरनाक है, उतना ही यादगार भी है। अगर आपको इंटैंस, मुद्दे पर आधारित कॉप थ्रिलर पसंद हैं तो मर्दानी 3 एक जबरदस्त लीड परफॉर्मैंस और ज़मीनी क्राइम प्लॉट के साथ आपको पसंद आएगी।

'मजबूत कहानी और रानी मुखर्जी की बेहतरीन अदाकारी के चलते यह फिल्म 4 स्टार रेटिंग की हकदार है- दैनिक सवेरा टाइम्स न्यूज मीडिया नैटवर्क।'

'काबिल' के सीक्वल में ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन की फिल्म काबिल (2017) के सीक्वल की खबर ने फैंस की एक्साइटमैंट को बढ़ा दिया है। हाल ही में फिल्म के मेकर ने खुद काबिल 2 शुरू करने की की पुष्टि की है। काबिल (2017) ऋतिक रोशन की दमदार परफॉर्मैंस और इमोशनल डेप्थ वाली थ्रिलर फिल्म के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखती है। फिल्म में ऋतिक रोशन ने एक दृष्टिहीन वॉइस आर्टिस्ट रोहन भटनागर का शानदार किरदार निभाया था। संजय गुप्ता की इस एक्साइटिंग फिल्म में जब रोहन भटनागर के जीवन में एक भयानक ट्रेजेडी के बाद उसकी खुशियों से भरी जिंदगी में तूफान आ जाता है, इसके बाद वह इंसाफ के लिए ऐसा रास्ता अपनाता है जो हर किसी को हैरान कर देता है।

काबिल (2017) की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि इस फिल्म को अकेले ऋतिक ने ही अपने कंधे पर संभालते हुए इमोशनल ऑथेंटिसिटी के दम पर एक जानी-पहचानी बदले की कहानी को एक नया आयाम दिया। बॉडी और डांस को लेकर ऋतिक रोशन हमेशा सुर्खियों में बने रहे। ऋतिक ने ज्यादा फिल्में नहीं कीं लेकिन जितनी भी कीं, उनके जरिए वह दर्शकों का दिल, जीतते रहे हैं। वह आज बॉलीवुड के सबसे महंगे अभिनेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद वह खुद को लोअर मिडिल क्लास मैन ही मानते हैं।

ऋतिक रोशन को एक कम्पलीट हीरो माना जाता है। किसी भी मेकर के लिए यह किसी चुनौती से कम नहीं होता कि वह ऋतिक के साथ काम करते हुए हर बार कुछ नया लेकर आ सके। ऋतिक की पूरी क्षमता का उपयोग करना भी किसी आम फिल्ममेकर के लिए आसान नहीं होता।

दैनिक सवेरा टाइम्स एंड मीडिया नैटवर्क प्रकाशित फीचर सामग्री की प्रामाणिकता की अक्षरशः पुष्टि नहीं करता एवं इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

'India will continue to back Palestine': PM to Arab world

New Delhi,Agency: PM Narendra Modi met the Palestinian foreign minister, Varsen Aghabekian, and reiterated India's continued support for the people of Palestine and welcomed ongoing peace efforts, including the Gaza peace plan.

The minister met the PM as a member of a delegation of the foreign ministers of Arab countries who are in India for the second India-Arab Foreign Ministers' Meeting. The meeting saw external affairs minister S Jaishankar asserting that the countries targeted by terrorism have the right to defend themselves.

According to an Indian readout, Modi conveyed his appreciation for the important role played by the Arab League in supporting efforts towards regional peace and stability.

"The Arab world is a part of India's extended neighbourhood, linked by deep civilisational bonds, vibrant people-to-people connections and enduring brotherly ties, as well as a shared commitment to peace, progress and stability. Confident that enhanced cooperation in technology, energy, trade and innovation will unlock new opportunities and take the partnership to new heights," said Modi in a post on X.

Highlighting the "humanitarian catastrophe in Gaza", the Palestinian minister told Modi Palestine values India's principled support for Palestinian rights under international law.

According to external affairs ministry, the PM outlined his vision for the India-Arab partnership in the years ahead and reaffirmed India's commitment to further deepen cooperation in trade and investment, energy, technology, healthcare and other priority areas, for the mutual benefit of our peoples.

"India has been a long-standing development partner for Palestine. This has been rendered both bilaterally and through UN agencies. India has so far given assistance worth USD 170 million. Of these, projects worth USD 40 million are under implementation," said a source.

CJI hard-sells India's business-friendly legal system in France

New Delhi,Agency: Days after India and European Union clinched what has been termed as 'mother of all trade deals', CJI Surya Kant on Saturday wooed French industrialists and businessmen to invest in India by hard-selling Supreme Court-backed trade-friendly legal system in the country. Referring to the uncertain business atmosphere in the world, apparently because of arbitrary import tariffs imposed by the US on various countries, CJI Kant said, "Today, we face a world transformed by uncertainty."

"The forces of disruption and geopolitical tension threaten to destabilise the very framework of international cooperation. In such a world, France-India partnership is not a luxury, it is a lifeline."

Addressing the Indo-French Chamber of Commerce and Industry and Paris Bar Association, the CJI said that for foreign enterprises engaging with their Indian counterparts, India's legal ecosystem offers clarity. "All that one would have to do is draft well-defined arbitration clauses, select reputable institutions or neutral seats if appropriate and trust that India's courts will respect the sanctity of arbitral agreements and awards," he said.

Budget 2026 Boosts Manufacturing, Jobs: Vedanta Chairman

DB Reporter,New Delhi: Vedanta Limited Chairman Anil Agarwal has described the Union Budget 2026 as a growth-oriented roadmap that reinforces India's economic stability while strengthening manufacturing and employment generation.

In a statement, Agarwal said the budget clearly focuses on increasing public capital expenditure and building a stronger manufacturing ecosystem. He noted that the proposed measures would create new livelihood opportunities for youth, enhance financial independence for women, and accelerate the growth of employment-intensive sectors such as medical tourism.

Welcoming the government's special emphasis on critical minerals and rare earth elements, Agarwal said the proposed development of rare earth corridors in Odisha, Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Kerala would significantly boost mining, processing, research and manufacturing activities. These initiatives, he added, would strengthen India's mineral security and generate large-scale employment.

He also termed the exemption of import duties on capital goods used in critical mineral processing as a timely decision, especially in the current global scenario. Further, Agarwal praised the announcement of greater flexibility in Special Economic Zones (SEZs), including limited permission for domestic market sales.Congratulating the Prime Minister and the Finance Minister, Agarwal said the budget provides a steady and confident direction to the Indian economy amid global uncertainties.

Coal India–Backed IIT Bombay Project Pioneers Ethical Silk

DB Reporter,Mumbai: In a major scientific and ethical breakthrough, a pilot project led by IIT Bombay and supported by Coal India Limited under its Corporate Social Responsibility (CSR) programme has successfully developed a non-violent method of silk production. The project, named 'Jeevodaya', marks a transformative step toward humane and sustainable silk manufacturing.

After three years of sustained research and development, IIT Bombay's Centre for Technology Alternatives for Rural Areas (C-TARA) has devised an innovative technique that allows silkworms to produce silk without being killed. The resulting product, branded 'Jeevodaya Silk', enables silkworms to complete their natural life cycle by emerging as moths after silk extraction.

Conventional silk production involves boiling silkworm cocoons to extract silk threads, a process that leads to the death of millions of silkworms annually. Challenging this long-established practice, researchers under the Jeevodaya project successfully trained silkworms to lay silk threads on flat surfaces instead of spinning cocoons. This rare scientific achievement eliminates the need for cocoon destruction while maintaining silk yield.The breakthrough aligns with ethical and cultural values rooted in compassion, reflecting the ancient Indian principle, "Ma kascid du?khabhag bhavet" — may no one suffer.Coal India's sustained CSR support played a crucial role in taking the project from concept to successful pilot stage. Beyond its humane impact, the technology offers strong socio-economic benefits by creating a new, sustainable income stream for silk farmers, thereby supporting rural livelihoods.With the pilot project achieving success, Jeevodaya Silk holds significant potential for wider adoption across India's silk sector, positioning the country as a global leader in ethical and sustainable textile innovation.

Slightly warm and dry Feb may impact Rabi crops, IMD predicts while releasing monthly temp and rainfall outlook

New Delhi,Agency: February is likely to be warmer than usual with the India Meteorological Department (IMD) on Saturday predicting 'above normal' monthly minimum (night) and maximum (day) temperatures over most parts of the country during the month and 'below normal' cold wave days over several parts of northwest India, including Delhi-NCR, and adjoining central India. The Met department also issued advisories, noting how dry and higher-than-normal temperatures during the month may adversely impact farm and allied sectors in terms of yield reduction. The IMD, while releasing a monthly weather outlook for February, also predicted 'below normal' rainfall over most parts of the country, except some areas of northwest and east-central India.

The less rainfall situation during the month may impact the standing Rabi (winter sown) crops in terms of increasing irrigation cost, whereas the 'above normal' temperatures in Punjab, Haryana, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan could lead to "forced maturity" of crops like wheat and barley, leading to sterile spikelets and chaffy grains, resulting in yield reduction.

"The crop advisories and impacts have been prepared by us in association with the department of agriculture, for which farmers need to be prepared," said IMD chief Mrutyunjay Mohapatra while sharing the likely impact of 'above normal' temperatures on agriculture. He said, "Oilseeds and pulses such as mustard, chickpea, lentil, and field pea may show early flowering and premature maturity, resulting in poor pod development, reduced seed size and lower yields." sucking pests, impacting standing crops. Vegetable crops such as potato, onion, garlic, tomato, cauliflower, cabbage, and peas may also be adversely affected during critical stages like tuber initiation, bulb development, flowering, and fruit setting.

BLA launches Op Herof 2.0, 12 security personnel dead

New Delhi,Agency: Balochistan Liberation Army (BLA) on Saturday commenced "Operation Herof 2.0", a large-scale military offensive characterised by synchronised attacks at dawn. While BLA claimed scores of casualties across the region, the official count stood at 12. The local administration claimed to have neutralised 58 BLA fighters.

"Fitna-al-Hindustan carried out attacks at 12 locations across Balochistan. During the clashes with the terrorists, 12 personnel of the security forces and the police were martyred," the Pak media reported, quoting the administration and adding that the attacks were foiled due to "timely and effective action". In a post on X, Balochistan Chief Minister Sarfraz Bugti claimed that Pak security forces had killed 70 rebels at various locations across the province during the past two days.

Spanning around 12 districts and especially targeting the provincial capital, Quetta, this offensive marks a significant escalation in regional conflict and is being regarded as the most extensive assault since 2024.

The attacks involved use of suicide bombers and a significant number of women rebels at Kalat, Gwadar, Mastung, Noshki, Kharan, Turbat and Pasni where bank, govt offices and Frontier ops HQ were targeted.

After Supreme Court rap and ministry reminders, 65 medical colleges still off NMC records on intern stipends: RTI

New Delhi,Agency: Even after sharp observations from the Supreme Court and repeated reminders from the Union health ministry, the National Medical Commission has failed to enforce its own directions on payment of stipends to medical interns, with 65 medical colleges still yet to submit required details, according to an RTI reply.

On October 28, 2025, the Supreme Court of India took note of a public notice issued earlier by the NMC on July 11, directing medical colleges to upload details of stipend payments to interns within seven days. The court observed that although the regulator had sought the information, it appeared to be "dragging its feet", as no action seemed to have been taken against non-compliant institutions. The bench expressed hope that the NMC would act on its own warning at least by the next date of hearing.

Following the court's observations, the Ministry of Health and Family Welfare wrote to the NMC on November 3, asking it to examine the matter and take appropriate action. With no response forthcoming, the ministry sent a reminder on December 16.

Earlier, in its July 11 public notice, the NMC had warned that failure to comply with directions on stipend disclosure would attract regulatory action, including show-cause notices, financial penalties, withdrawal of course recognition and suspension of admissions.

Responding to queries, NMC officials said that out of 764 medical colleges in the country, 595 are eligible to train interns and are required to pay stipends. Around 560 colleges have submitted stipend details, while about 35 remain in default. Officials said the commission has issued multiple reminders, filed an affidavit before the Supreme Court on November 11, 2025, and issued a show-cause notice on November 3, 2025, warning of action under the NMC Act. They added that responses from defaulting colleges are being examined and a final list will be placed before the Undergraduate Medical Education Board for action as per rules.

However, the RTI reply dated January 19 stated that about 65 medical colleges were yet to furnish stipend details. The reply did not clarify whether this higher number reflected an earlier stage of data compilation or included institutions not eligible to train interns.

RTI activist Dr Babu KV, however, said the RTI response does not indicate that any regulatory action has been initiated so far against defaulting colleges, despite the Supreme Court's observations and repeated communications from the health ministry.